मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 30
बुधवार, 06 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ से 4 की मौत, कई घर तबाह

उत्तरकाशी, 05 अगस्त। मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के धराली गाँव में अचानक आई बाढ़ ने कई घर तबाह कर दिए और लोगों के घायल होने की आशंका बढ़ गई। बाढ़ के पानी की तेज लहरों ने घरों को निगल लिया और लोगों के चीखने-चिल्लाने के भयावह वीडियो ऑनलाइन सामने आए। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी के धराली के ऊंचाई वाले गांवों में बड़े पैमाने पर बादल फटने से आई अचानक बाढ़ में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बचाव अभियान के आदेश दे दिए गए हैं। भारतीय सेना को भी बचाव अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, मुझे उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की घटना की सूचना मिली है... हम लोगों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। ज़िला प्रशासन, भारतीय सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के अधिकारी लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया, ₹खिर गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण धराली बाजार क्षेत्र में नुकसान हुआ है। हर्षिल से सेना

की टुकड़ियों के साथ-साथ पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों को भटवारी भेजा गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, धराली (उत्तरकाशी) में अचानक आई बाढ़ की घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात की। आईटीबीपी की तीन टीमें वहाँ भेजी गई हैं, और एनडीआरएफ की चार टीमें भी घटनास्थल पर भेजी गई हैं, जो जल्द ही पहुँचकर बचाव अभियान में लग जाएँगी।₹ मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव आरके सुधांशु ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक दोनों घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। जान-माल के नुकसान की आशंका है। हमने एसडीआरएफ के साथ-साथ एनडीआरएफ को भी भेजा है और हम पहले आकलन कर रहे हैं और जैसे ही हमें नुकसान का स्तर पता चलेगा, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

कश्मीर, 05 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आज लगभग 1 बजे नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उनका निधन हो गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। मलिक ने अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य के 10वें और अंतिम राज्यपाल के रूप में कार्य किया और उनके कार्यकाल के दौरान ही 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किया गया।

बाद में, वे गोवा चले गए और 18वें राज्यपाल बने और अक्टूबर 2022 तक मेघालय के 21वें राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। राजनेता के रूप में उनका पहला प्रमुख कार्यकाल 1974-77 के दौरान उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य के रूप में रहा। उन्होंने 1980 से 1986 और 1986-89 तक राज्यसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। वे 1989 से 1991 तक जनता दल के सदस्य के रूप में अलीगढ़ से नौवीं लोकसभा के सदस्य रहे। वे अक्टूबर 2017 से अगस्त 2018 तक बिहार के राज्यपाल रहे। 21 मार्च 2018 को, उन्हें 28 मई 2018 तक ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्य करने का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया। अगस्त 2018 में, उन्हें जम्मू और कश्मीर राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

मलिक का जन्म उत्तर प्रदेश के बागपत के हिसावदा गाँव में एक जाट परिवार में हुआ था। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक और एलएलबी की डिग्री हासिल की। 1968-69 में, मलिक छात्र संघ अध्यक्ष चुने गए, जिससे उनके राजनीतिक जीवन की शुरूआत हुई।

भाजपा के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं : मायावती

लखनऊ, 05 अगस्त। काफी समय से जिस तरह की बयानबाजी बसपा प्रमुख मायावती कर रही है विपक्ष को लगता है कि बहुजन समाज पार्टी और भाजपा में कोई सीक्रेट डील है। विपक्ष के सुर में सुर मिलाने से मायावती दूर रहती है। ऑपरेशन सिंदूर पर मायावती का जो पक्ष रहा उसके बाद ये अटकलें तेज हो गयी कि शायद बसपा-भाजपा के बीच गठबंधन है! अब इस तरह की सारी अटकलों को खारिज कर दिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी भी गठबंधन या समझौते से इनकार करते हुए पार्टी कार्यकताओं को ऐसी खबरों से सतर्क रहने की हिदायत दी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, जैसा कि सर्वविदित है कि बसपा न तो भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ है, ना ही कांग्रेस के इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन या अन्य किसी मोर्चे के साथ है, बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के आंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा, इसके बावजूद खासकर दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी तथा इन वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया बसपा की छवि को बीच-बीच में धूमिल करने व राजनीतिक नुकसान पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं, जिसको लेकर पार्टी को लगातार अपने लोगों को इनसे सतर्क करते रहने की जरूरत पड़ती रहती है। बसपा प्रमुख ने कहा, पार्टी के लोगों से यह विशेष आग्रह है कि वे राजनीतिक षड्यंत्र के तहत मीडिया के इस प्रकार के घिनौने हथकंडों से हमेशा सावधान रहें और किसी के भी बहकावे में नहीं आयें, क्योंकि जातिवादी तत्व अपने आंबेडकरवादी कारवां को कमजोर करने के घिनौने षड्यंत्र में हमेशा किसी न किसी रूप में लगे रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन है: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 05 अगस्त। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने भाई और विपक्ष के नेता राहुल गांधी का चीन की कथित घुसपैठ और भारतीय सेना की प्रतिक्रिया के बारे में उनकी टिप्पणियों की सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में की गई आलोचना के खिलाफ बचाव किया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि वे यह तय नहीं करते कि सच्चा भारतीय कौन है। विपक्ष के नेता का काम है, सरकार को चुनौती देने के लिए सवाल पूछना उनका कर्तव्य है। मेरा भाई सेना के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहेगा। वह सेना का बहुत सम्मान करता है। इसलिए, यह एक गलत व्याख्या है।

वायनाड से सांसद ने कहा कि न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हुए, यह तय करना उनका

काम नहीं है कि कौन सच्चा भारतीय है और कौन नहीं। जज इसका फैसला नहीं करेंगे। राहुल गांधी ने हमेशा सेना और हमारे जवानों का सम्मान किया है। विपक्ष के नेता की ज़िम्मेदारी सरकार से सवाल पूछना है, और वो यही करते भी हैं। सरकार को ये पसंद नहीं, और वो जवाब देना नहीं चाहती, इसीलिए वो ये सब हथकंडे अपनाती है... संसद चलाना कितना मुश्किल है? क्या वो इतने कमजोर हो गए हैं कि संसद भी नहीं चला सकते? वो एक ऐसे विषय पर चर्चा क्यों नहीं करा सकते जिसकी माँग पूरा विपक्ष कर रहा है?कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत के अनुसार, राहुल का समर्थन करते हुए, भारतीय ब्लॉक के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को अनुचित बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जब कोई सरकार हमारी सीमाओं की रक्षा करने में इतनी बुरी तरह विफल हो जाती है, तो हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है कि वह उसे जवाबदेह ठहराए। शीर्ष अदालत सोमवार को दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जहाँ उसने कुछ तीखी टिप्पणियाँ कीं ख़ासकर उनकी इस टिप्पणी पर कि चीनी सेना ने ₹2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है, 20 भारतीय सैनिकों को मार डाला है और अरुणाचल प्रदेश में हमारे जवानों को पीटा है, सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने टिप्पणी की, आपको मीडिया या सोशल मीडिया पोस्ट में यह क्यों कहना पड़ रहा है?

लोधीकालीन शेख अली की गुमटी के पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन कोर्ट के रूप में नहीं होगा : न्यायालय

नई दिल्ली, 05 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने राजधानी के डिफेंस कॉलोनी इलाके में लोधीकालीन स्मारक शेख अली की गुमटी के परिसर स्थित पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन या बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण के लिए नहीं करने का आदेश दिया है।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले दिल्ली सरकार को शेख अली की गुमटी को कानून के तहत संरक्षित स्मारक घोषित करने के लिए एक नयी अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अधिकारियों को क्षेत्र में कियोस्क या दुकानों सहित किसी भी व्यावसायिक गतिविधि पर रोक का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत को यह भी आश्वासन दिया गया कि चार हिस्से वाले इस पार्क का रखरखाव और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि इसकी प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रहे और इसका इस्तेमाल आम जनता के लाभ के लिए किया जा सके।

पीठ ने 31 जुलाई के आदेश में कहा, ह्यह्यहां केवल यही निर्देश दिए जाने की जरूरत है कि इसका इस्तेमाल किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए तथा क्षेत्र की सीमाओं को देखते हुए बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण जैसी कोई गतिविधि नहीं की

जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने न्यायालय आयुक्त को पार्क के रखरखाव और सौंदर्यीकरण के लिए बागवानी विभाग सहित संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त के लिए निर्धारित की गई है।

स्मारक को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब शीर्ष अदालत ने डिफेंस कॉलोनी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को इसके ढांचे को खाली करने और 1960 के दशक से इस ऐतिहासिक स्थल पर कब्जे के लिए मुआवजे के रूप में दिल्ली सरकार के पुरातत्व विभाग को 40 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय डिफेंस कॉलोनी निवासी राजीव सूरी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें गुमटी को प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित स्मारक घोषित करने का अनुरोध किया गया।

राज्यसभा में हंगामे पर भड़के किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। राज्यसभा में सीआईएसएफ जवानों की तैनाती को लेकर उच्च सदन में हंगामे के बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने संसद के अंदर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बारे में गलत जानकारी फैलाकर सदन की मयार्दा को कम करने और देश को गुमराह करने की कोशिश की है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने बताया कि सदन में हंगामा तब शुरू हुआ जब उन्होंने चर्चा के दौरान राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उपसभापति को लिखे पत्र पर आपत्ति जताई।

भारत ने नहीं झुकाया सिर ट्रंप की धमकी को दिया आंकड़ों से करारा जवाब

-अजय कुमार

डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति बढ़ती चिढ़ और अमेरिका की दोहरी नीति ने वैश्विक मंच पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत को बार-बार टैरिफ और जुमार्ने की धमकियां दे रहे हैं, खासकर रूस से तेल और हथियारों के व्यापार को लेकर। लेकिन भारत ने न केवल इन धमकियों को नजरअंदाज किया, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय संघ की दोहरी नीतियों को उजागर कर जवाबी रुख अपनाया है। भारत का स्पष्ट कहना है कि जब अमेरिका और यूरोप स्वयं रूस से भारी मात्रा में सामान आयात कर रहे हैं, तो भारत पर रूस के साथ व्यापार को लेकर उंगली उठाना अनुचित और अतार्किक है। यह स्थिति वैश्विक भूराजनीति में दोहरे मानदंडों को उजागर करती है, जहां अमेरिका भारत को दबाव में लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन खुद अपनी जरूरतों के लिए रूस से व्यापार जारी रखे हुए है।

ट्रंप की बयानबाजी में एक साफ विरोधाभास नजर आता है। एक तरफ वह भारत को ₹महान मित्र₹ और ₹महान देश₹ कहते हैं, दूसरी तरफ 25% रेसिप्रोकल टैरिफ और रूस से व्यापार के लिए जुमार्ने की धमकी देते हैं। उनकी हताशा का कारण यह है कि भारत उनके दबाव में झुकने को तैयार नहीं है। ट्रंप को लगता है कि जिस भारत को कभी अमेरिका सड़ा हुआ गेहूं भेजता था, वह आज उनकी धमकियों का जवाब देना भी जरूरी नहीं समझता। उनकी चिढ़ का अंदाजा उनके बयानों से लगाया जा सकता है। कभी वह भारत की अर्थव्यवस्था को ₹मृतप्राय₹ कहते हैं, तो कभी पाकिस्तान के साथ तेल सौदों की बात कर भारत को अपमानित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि पाकिस्तान के पास तेल है ही नहीं, और ट्रंप का यह बयान उनकी हताशा का प्रतीक है। वह भारत को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारत की रणनीतिक और आर्थिक ताकत के सामने उनकी एक नहीं चल रही। भारत ने ट्रंप की धमकियों का जवाब न केवल कूटनीतिक रूप से दिया, बल्कि तथ्यों के साथ अमेरिका को आइना भी दिखाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि भारत पर रूस से तेल आयात को लेकर की जा रही आलोचना बेबुनियाद है। भारत ने बताया कि अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, पैलेडियम, खाद, और रसायन जैसे सामान आयात करता है, जो उसकी परमाणु, इलेक्ट्रॉनिक वाहन, और कृषि उद्योगों के लिए जरूरी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से मई 2025 तक अमेरिका ने रूस से 2.1 बिलियन डॉलर का आयात किया, जो पिछले साल की तुलना में 23% अधिक है। इसमें पैलेडियम (37%), यूरेनियम (28%), और उर्वरक (21%) का आयात प्रमुख है। यह आंकड़े साफ बताते हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के बावजूद रूस के साथ व्यापार जारी रखा है। 2021 में अमेरिका ने रूस से 17 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था, और 2024 में भी उसने उर्वरक (1.1 बिलियन डॉलर), पैलेडियम (878 मिलियन डॉलर), और यूरेनियम (624 मिलियन डॉलर) जैसे सामानों का आयात किया।

यूरोपीय संघ भी इस मामले में पीछे नहीं है। वह भारत को रूस से तेल आयात न करने की सलाह देता है, लेकिन स्वयं रूस से ईंधन, लोहा, स्टील, रसायन, और उर्वरक जैसे सामान आयात करता है। 2024 में यूरोपीय संघ ने रूस से 35.9 अरब यूरो का आयात किया, जिसमें 22.3 अरब यूरो का ईंधन प्रमुख था। यह राशि भारतीय रुपये में 3617 करोड़ से अधिक है। भारत का तर्क है कि जब अमेरिका और यूरोप अपनी जरूरतों के लिए रूस से व्यापार कर रहे हैं, तो भारत पर दबाव डालना दोहरा मापदंड है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस से 35-40% तेल आयात करता है, जो आर्थिक रूप से फायदेमंद है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक ताकत ट्रंप की चिढ़ का प्रमुख कारण है। भारत ने न केवल रूस के साथ व्यापार जारी रखा, बल्कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (इळअ) पर जोर दिया, जो दोनों देशों के हितों को संतुलित करे। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत जवाबी टैरिफ के बजाय बातचीत से समाधान चाहता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी स्पष्ट किया कि भारत ट्रंप के दबाव के बावजूद अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (FIEO) के डीजी अजय सहाय के अनुसार, 25% टैरिफ से भारत की जीडीपी पर 0.2-0.5% का असर हो सकता है, लेकिन 6% से अधिक की विकास दर इसे संभाल सकती है। भारत वैकल्पिक बाजारों जैसे यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, और चीन की ओर भी रुख कर रहा है। चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने भारत से आयात बढ़ाने और व्यापार घाटा कम करने की बात कही, जो भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। ट्रंप की ₹अमेरिका फर्स्ट₹ और मेक इन अमेरिका नीतियां भारत के बिना पूरी तरह सफल नहीं हो सकतीं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार और विनिर्माण केंद्र है। अमेरिकी कंपनियां जैसे एपल, टेस्ला, और बोइंग भारत में निवेश और उत्पादन बढ़ा रही हैं। ट्रंप के प्रस्तावित 25% टैरिफ से भारत में बने उत्पाद महंगे होंगे, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ेगा। साथ ही, मेक इन अमेरिका को बढ़ाने के लिए अमेरिकी उत्पाद वैश्विक बाजार में चीन से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। अमेरिका को यह भी डर है कि भारत यूरोप, चीन, और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे वैकल्पिक बाजारों की ओर रुख कर सकता है, जिससे उसका वैश्विक व्यापार में प्रभाव कम हो सकता है।

अमेरिकी विशेषज्ञ भी भारत के साथ टैरिफ युद्ध को गलत मानते हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक तनाव वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने भारत के साथ संतुलित और पारस्परिक लाभकारी व्यापार वार्ताओं की वकालत की। राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ लिसा कर्टिस ने चेतावनी दी कि भारत पर उच्च टैरिफ लगाना अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति को कमजोर करेगा और चीन को क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने का मौका देगा। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स भी मानता है कि उच्च टैरिफ से अमेरिकी कंपनियां और उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

ट्रंप की धमकियों के बीच रैपिडान एनर्जी ग्रुप के चेयरमैन बॉब मैकनेली का बयान चर्चा में है। उन्होंने कहा कि ट्रंप भारत पर रूस से तेल आयात के लिए 25% से लेकर 100% तक टैरिफ लगा सकते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत से रूसी तेल खरीदने की गुहार लगाई थी ताकि वैश्विक तेल की कीमतें नियंत्रित रहें। पूर्व अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी का एक वायरल वीडियो भी यही बात दोहराता है। गारसेटी ने कहा कि भारत ने रूसी तेल इसलिए खरीदा क्योंकि अमेरिका चाहता था कि वह एक निश्चित मूल्य सीमा पर तेल खरीदे, जिससे वैश्विक बाजार में स्थिरता बनी रहे।

भारत ने इस दोहरे रवैये को उजागर करते हुए साफ कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों और रणनीतिक हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत क्वाड का प्रमुख स्तंभ है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति की मजबूती है। भारत-अमेरिका-उप्प्र पहल के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, और रक्षा प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ रहा है। भारत की तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन अमेरिका के लिए अपरिहार्य हैं। भारत ने अमेरिका के लिए कृषि और डेयरी बाजार पूरी तरह खोलने से भी इनकार किया है, क्योंकि यह 70 करोड़ किसानों के हितों से जुड़ा है।

ट्रंप की बयानबाजी और धमकियां उनकी हताशा का प्रतीक हैं। वह भारत को नाराज नहीं करना चाहते, लेकिन साथ ही अपनी सामंती मानसिकता के कारण झुकाना भी नहीं चाहते। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह दबाव में नहीं आएगा और अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। आज की तारीख में भारत अमेरिका के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ट्रंप की नीतियां और बयानबाजी अमेरिका के लिए ही नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। भारत ने न केवल अपनी आर्थिक और रणनीतिक ताकत का परिचय दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर दोहरे मानदंडों को बेनकाब कर एक नया संदेश भी दिया है।

मालदीव के साथ भारत के संबंध सुधरने के बाद क्या बदला है?

अशोक भाटिया

मालदीव की यात्रा भारत की ₹पड़ोसी पहले₹ नीति के महत्व की भी पुष्टि करती है, ऐसे समय में जब भारतीय विदेश नीति अमेरिका के व्यापार शुल्कों और यूक्रेन व गाजा में संघर्षों से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। पहलगाम हमलों के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष और बांग्लादेश के साथ तनाव ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, नई दिल्ली विभिन्न देशों से संपर्क साधने में भी व्यस्त रही है, लेकिन उसने पड़ोसी देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजे हैं। यह उत्साहजनक है कि नई दिल्ली नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का स्वागत करने की तैयारी कर रही है, जिन्हें एक साल पहले पदभार ग्रहण करने के बाद से भारत आमंत्रित नहीं किया गया है। मालदीव द्वारा अपने राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए जारी एक स्मारक डाक टिकट पर पारंपरिक भारतीय और मालदीव की नावें दिखाई गईं, जिन्हें श्री मोदी ने भारत और मालदीव के न केवल पड़ोसी होने, बल्कि ₹एक साझा यात्रा पर साथी यात्री₹ होने का प्रतिबिंब बताया। वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के दौर में, पड़ोसियों के साथ घनिष्ठ संबंध - जो उनकी आर्थिक जरूरतों को पूरा करे और जहाँ तक संभव हो, उनकी विकास योजनाओं का समर्थन करे - आवश्यक है।

मालदीव के साथ भारत के संबंध, जो भारत के बहुत ही करीब है और हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, पिछले दो वर्षों में खराब हो गए हैं; लेकिन अब, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के साथ, दोनों देशों के बीच संबंधों को पुनर्जीवित किया गया है और मालदीव के शासकों ने अब महसूस किया है कि देश की अर्थव्यवस्था व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण है।इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केरल तट से लगभग 500 किलोमीटर दूर मालदीव की यात्रा भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव की यात्रा छह साल बाद ही संभव हो सकी। चीन और पाकिस्तान के प्रयासों से वहां बने भारत विरोधी माहौल को बेअसर करने में कुछ समय लगा। भारत और मालदीव के बीच संबंध तब से प्रभावित होने लगे जब चीन ने हिंद महासागर के मुख्य व्यापार मार्ग के पास देश की निगरानी शुरू की। ये था। इस दशक में, चीन और पाकिस्तान द्वारा मालदीव की राजनीति में हस्तक्षेप करने और उनके अनुकूल सरकार बनाने के प्रयास किए गए हैं; लेकिन भारत की चिंता स्वाभाविक रूप से तब बढ़ गई जब चीन ने मालदीव के जल में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के उद्देश्य से एक द्वीप पट्टे पर लिया। इस द्वीप के बहाने चीन ने न केवल अपने नौसैनिक जहाजों को मालदीव भेजना शुरू किया, बल्कि उन्हें स्थायी रूप से तैनात करने पर भी विचार किया। दूसरी ओर, भारत ने मालदीव के जल की निगरानी के लिए अपने तट रक्षक के साथ सहकारी संबंध स्थापित नहीं किए। इसने वहां एक द्वीप पर अपना रडार स्टेशन भी स्थापित किया।

दो साल पहले मालदीव ने भारतीय सैनिकों की वापसी का सुझाव दिया था। भारत को लेकर सुगबुगाहट मच गई थी। इसलिए, भारतीय पर्यटकों ने मालदीव के बजाय अंडमान और निकोबार को चुना। परिणामस्वरूप, इस देश के साथ हमारे संबंध बिगड़ गए। मालदीव की अर्थव्यवस्था भारत और रूस के पर्यटकों पर निर्भर है। मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का हिस्सा 30 प्रतिशत है। हालांकि चीनी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन मालदीव में कम पर्यटक हैं। मालदीव भारत के साथ खिलवाड़ नहीं कर सका; इसके अलावा, मालदीव के शासकों ने महसूस किया कि अगर चीन कर्ज के जाल में फंस गया, तो देश और भी अधिक संकट में पड़ जाएगा। चीन की मदद स्वैच्छिक है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुसीबत के समय वह पीछे रहेगा। भारत ने मालदीव के आक्रामक रुख पर बहुत धैर्य से प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारत ने मदद करना बंद नहीं किया, लेकिन मदद का हाथ बढ़ाया। तो अब अंतर यह है कि हमारा सच्चा दोस्त कौन है और कौन दोस्त है जो लाभ के लाभ के लिए दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है।

मालदीव, चीन और पाकिस्तान भारत के साथ सहयोगात्मक संबंधों के बिना लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकते हैं। लगभग चार दशक पहले, जब कुछ विद्रोही तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल गयूम को उखाड़ फेंकने के लिए माले में उतरे, तो उन्होंने भारत की मदद मांगी। राजीव गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने गयूम की शक्ति को बचाने के लिए 'ऑपरेशन कैक्टस' के हिस्से के रूप में भारतीय वायु सेना के एक परिवहन विमान को माले में लॉन्च किया।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत के साथ संबंधों को प्रभावित करने के लिए मालदीव में 500,000 सुन्नी मुस्लिम आबादी की धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। लेकिन मोदी की यात्रा से यह स्पष्ट है कि यह प्रयास सफल नहीं होगा। मालदीव की अपनी यात्रा के दौरान, भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मालदीव को लगभग 4850 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। इससे दोनों देशों को लाभ होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की वित्तीय सहायता मालदीव पर चीन के कर्ज के बोझ को कम करने में भी मदद करेगी। मालदीव पर 1 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज है। मालदीव पूर्व में चीन और अन्य देशों को प्रति वर्ष 51 मिलियन डॉलर का भुगतान करता था। इस तरह। भारत की मदद से, यह राशि अब घटकर केवल 29 मिलियन डॉलर रह जाएगी। इससे चीन पर मालदीव की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। मोदी की यात्रा ने उम्मीद जताई है कि मालदीव के नेता अब चीन द्वारा अपने देश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए तैयार की जा रही रणनीति को समझेंगे। भारत ने मुइज्जू को चीनी प्रभाव से दूर रखकर पड़ोसी देश के साथ पुराने संबंधों को बहाल करने के लिए अभूतपूर्व धैर्य और कूटनीतिक कौशल दिखाया है। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू ने भारत के साथ रक्षा सहयोग संबंधों को बहाल करने का संकेत दिया है और कोई भी जो भारत के सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसने कार्रवाई न करने का भी वादा किया है। भौगोलिक रूप से, मालदीव को दुनिया का सबसे बिखरा हुआ देश कहा जाता है। इसे एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक यात्रा करने के लिए नौका नाव का उपयोग करना पड़ता है। मालदीव 1965 में ब्रिटेन से राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो गया। स्वतंत्रता के तीन साल बाद, मालदीव एक संवैधानिक इस्लामी गणराज्य बन गया। स्वतंत्रता के बाद, मालदीव के लोगों की राजनीति और जीवन में इस्लाम का महत्वपूर्ण स्थान है।

2008 में मालदीव में इस्लाम राज्य धर्म बन गया। मालदीव दुनिया का सबसे छोटा इस्लामी देश है। 26 जुलाई मालदीव का 60वां स्वतंत्रता दिवस था। मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। यह मोदी की मालदीव की तीसरी यात्रा है। अतीत में, मालदीव सरकार 'इंडिया फर्स्ट' नीति का पालन कर रही थी। लेकिन मुइज्जू ने इस नीति को समाप्त करने का वादा किया था। मुइज्जू ने चीन के साथ संबंधों को मजबूत किया था। भारत द्वारा 7.5 अरब डॉलर समृद्ध मालदीव को दिवालिया होने से बचाने के बाद मुइज्जू ने भारत के बारे में अपना दृष्टिकोण बदल दिया। मालदीव हिंद महासागर में प्रमुख समुद्री मार्गों के करीब है। ये मार्ग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को आकर्षित करते हैं। ये मार्ग खाड़ी देशों से भारत को ऊर्जा प्रदान करते हैं। मालदीव के साथ भारत के बिगड़ते संबंधों को किसी भी तरह से अच्छा नहीं माना जाता था। और यह दृष्टिकोण रणनीतिक हितों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मालदीव के साथ अच्छे संबंध भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। भारत की समुद्री निगरानी में मालदीव का सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मालदीव लक्षद्वीप से लगभग 700 किमी और मुख्य भूमि भारत से 1200 किमी दूर है। मालदीव में चीन का नौसैनिक अड्डा बनाना भारत के लिए सुरक्षा चुनौती है। अगर चीन दुनिया में मजबूत हो जाता है, तो उसके लिए युद्ध जैसी स्थिति में भारत तक पहुंचना बहुत आसान हो जाएगा। मालदीव में चीन के कई प्रोजेक्ट हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। मालदीव की जनता की राय अभी भी भारत के खिलाफ है। हालांकि, भारत ने मालदीव में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निवेश किया है। इनमें से, ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के तरीके के रूप में देखा जाता है।

चीन मालदीव में 200 मिलियन डॉलर का चीन-मालदीव मैत्री पुल बना रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि मालदीव में चीन की बढ़ती उपस्थिति भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है। मालदीव ने 4 मिलियन डॉलर में 50 साल के लिए चीन को पुरुष हवाई अड्डे के पास एक द्वीप पट्टे पर दिया है। चीन बेल्ट एंड रोड पहल पहल के हिस्से के रूप में हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और मालदीव में कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। मालदीव, जिसने अब भारतीय सेना के लिए 'इंडिया फर्स्ट' नीति की घोषणा की है। मालदीव की भू-राजनीतिक स्थिति भारत और चीन दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चीन की सहायता के बावजूद मालदीव को फिर से भारत के साथ दोस्ती क्यों करनी पड़ी, इसका जवाब अर्थव्यवस्था में है। मोदी और मोइज्जू की यात्रा के दौरान, रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। अब भारत और मालदीव के बीच संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होगा। माना जा रहा है कि भारत द्वारा मालदीव के प्रति संयम का स्तर दिखाए जाने के बाद अब वह विश्वास की दोस्ती को आगे ले जाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो मालदीव के लिए सकारात्मक स्थिति पैदा करता रहेगा ।

रक्षाबंधन बहनों और भाइयों का पवित्र बंधन है, इस शुभ अवसर पर करें वृक्षारोपण

रक्षाबंधन को राज्य और देश में बहनों और भाइयों के त्योहार के रूप में जाना जाता है। राखी का धागा कोई साधारण नहीं बल्कि एक अटूट बंधन है। भारत में, सभी जाति और धर्म के लोग रक्षाबंधन को बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाते हैं। इसमें एक भाई द्वारा अपनी बहन को दिया गया वचन बहुत महत्वपूर्ण होता है। पंचांग के अनुसार, श्रावण मास में राखी पूर्णिमा को नारली पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह त्यौहार भारतीय संस्कृति के त्यौहारों में एक प्रमुख त्यौहार है। इससे बहनों और भाइयों के बीच उत्साह का माहौल बनता है। राखी पूर्णिमा भारत में राज्य भर में अलग-अलग तरीकों से मनाई जाती है। उत्तर भारत में, यह त्यौहार कजरी पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है, पश्चिमी भारत में, यह त्यौहार ₹नारली पूर्णिमा₹ के रूप में मनाया जाता है। जैसा कि पुराणों में वर्णित है, श्रावण पूर्णिमा को बड़ों के आशीर्वाद के लिए पवित्र माना जाता है। पूर्व मध्यकाल में भारत में महिलाओं को बाहरी आक्रमणों से बचाने के लिए यह त्यौहार मनाया जाता था। बहन के इस अटूट बंधन को महाभारत में भी देखा जा सकता है। जब श्री कृष्ण की उंगली में चोट लगी थी और उससे खून बह रहा था, तो पांडवों की पत्नी द्रौपदी ने अपनी साड़ी का किनारा फाड़कर श्री कृष्ण की उंगली पर बांध दिया और खून बहना बंद कर दिया। तभी से श्री कृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा का संकल्प लिया और आजीवन द्रौपदी के भाई के रूप में उनकी रक्षा की। अर्थात रक्षा बंधन की परंपरा प्राचीन काल से लेकर आज तक चली आ रही है। इससे यह स्पष्ट है कि एक भाई अपनी बहन की रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार रहता है। इतिहास में हमें ऐसी कई बातें देखने को मिलती हैं। चित्तौड़गढ़ की रानी कर्मावती ने मुगल सम्राट हुमायूं को बहादुर शाह से रक्षा के लिए राखी बांधी थी। कहा जाता है कि राखी बांधने के बाद राजा हुमायूं ने रानी कर्मावती की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी थी। इससे यह स्पष्ट है कि एक भाई की अपनी बहन के प्रति भूमिका ₹जान जाए पर वचन न जाए₹ वाली होती है। रक्षाबंधन पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। रक्षाबंधन का मतलब है भाई-बहन का अटूट बंधन। यह भाई-बहन के रिश्ते की स्वर्ण जयंती है। इस दिन दोनों का प्यार एक साथ आता है और भाई बहन को उसके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है और मुश्किल समय में साथ चलने का वादा करता है। इससे पता चलता है कि भाई-बहन के बीच का प्यार अपार है। वर्तमान में भाई-बहन की तरह पेड़ों को भी अपने बंधन में बांधने की सख्त जरूरत है। क्योंकि पेड़ रहेंगे तो धरती रहेगी, धरती सुरक्षित रहेगी तो मनुष्य और सभी जीव-जंतु और सृष्टि सुरक्षित रहेगी। क्योंकि वनों की कटाई के कारण पृथ्वी दिन-प्रतिदिन हिल रही है, जिसके कारण भूस्खलन, भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट, अत्यधिक ठंड, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक वर्षा और ऐसी अन्य अभूतपूर्व घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इसके लिए पृथ्वी को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और प्रथम कर्तव्य भी है, इसलिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। एक बहन को अपने भाई को राखी जरूर बांधनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही एक पेड़ उपहार में देकर उनकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। क्योंकि जलवायु दिन-प्रतिदिन बदल रही है। इसके कारण कई जीवों का जीवित रहना बहुत कठिन हो गया है और कुछ जीव-जंतु और पेड़ विलुप्त होने के कगार पर हैं। पहले भारी और धीमी बारिश होती थी। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण भारी बारिश की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है और इसके कारण बादल फटने और सुनामी की मात्रा में भी वृद्धि हुई है। इसके कारण मानवीय क्षति, कृषि हानि, आर्थिक क्षति, समुद्र तल में वृद्धि, सुनामी, भूकंप, तूफान, बिजली गिरना, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक ठंड, ये सभी भयानक घटनाएं प्रकृति के असंतुलन के कारण हुई प्रतीत होती हैं। मनुष्य बुद्धिमान प्राणी है, इसलिए वह आने वाले संकटों का सामना निश्चित रूप से कर सकता है। इसके लिए रक्षा बंधन के अवसर पर पूरे भारत में वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। साथ ही बहन को अपने भाई को या भाई को अपनी बहन को जो मूल्यवान वस्तु उपहार में देनी हो, वह अवश्य देनी चाहिए। लेकिन बहन को अपने भाई को और भाई को अपनी बहन को एक-एक पेड़ उपहार में देना चाहिए और सभी को धरती माता की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। इससे पूरे भारत में हरियाली छा जाएगी। आने वाला वर्षा जल भूमि में समा जाएगा और पृथ्वी का संतुलन सुरक्षित रहेगा, ग्लेशियरों का पिघलना रुकेगा, दावानल की घटनाओं में कमी आएगी और भूकंपों पर नियंत्रण होगा। इस प्रकार, वृक्षारोपण से प्रकृति पर आए संकट को धीरे-धीरे कम करने में मदद मिलेगी और प्रकृति निखरी-निखरी रहेगी। वृक्षारोपण किसी भी रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण है, चाहे वह सांस्कृतिक हो, सामाजिक हो, त्यौहार हो, राष्ट्रीय कार्यक्रम हो, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम हो। क्योंकि इससे पृथ्वी का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी और जलवायु में बढ़ते परिवर्तनों को रोकने में सभी का योगदान उपयोगी होगा। इसी प्रकार, यदि प्रकृति निखरी रहेगी, तो देश में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसलिए, रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों और भाइयों द्वारा वृक्षारोपण पर अधिक से अधिक जोर देने की आवश्यकता है। इसी प्रकार, सरकार को भी सभी त्यौहारों के अवसर पर वृक्षारोपण पर अधिक से अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। राज्य में सरकार द्वारा लागू की गई लड़की बहन योजना का हार्दिक स्वागत है। ऐसी योजना लागू करने के बाद, सरकार को सभी को एक-एक पेड़ भेंट करके पर्यावरण संरक्षण के दायित्व में भागीदार बनाना चाहिए। साथ ही, सरकार को सभी प्रशासनिक विभागों, स्कूलों और कॉलेजों को इस पावन अवसर पर पेड़ लगाने और प्रकृति को बचाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। नारली पूर्णिमा और रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ!

- रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)

कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ रहा आंतरिक राजनीतिक संकट

कर्नाटक कांग्रेस की राजनीति में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी के भीतर एक आंतरिक राजनीतिक संकट विकसित हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष चल रहा है। क्या कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन होगा?

शिवकुमार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह लेने की बढ़ती अटकलों ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस असहमति, आंतरिक संघर्ष, अनुशासन की कमी और अपने सदस्यों के बीच सत्ता संघर्ष से जूझ रही है, जिससे यह मामला और पेचीदा हो गया है।

अफवाहें जोर पकड़ रही हैं, मुख्य रूप से इसलिए, क्योंकि जी. परमेश्वर जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी के भीतर महत्वपूर्ण असंतोष को स्वीकार किया है। जबकि सिद्धारमैया कुछ नुकसान नियंत्रण करने का प्रयास कर रहे हैं, शिवकुमार खेमा खुले तौर पर नेतृत्व परिवर्तन की पैरवी कर रहा है। उनका दावा है कि यह अगले 3 महीनों के भीतर हो सकता है।

अगले 3 महीने की समय सीमा का कारण दिलचस्प है। अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि सत्ता संघर्ष अब सामने आ गया है। इसके अलावा, कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया है कि लगभग 100 विधायक नेतृत्व परिवर्तन के पक्ष में हैं, जो शीर्ष पर बदलाव का समर्थन करते हैं। डी.के. ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी की है लेकिन बदलाव की संभावना बनी हुई है। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सत्ता में लौटी। चर्चा थी कि दोनों नेता शीर्ष पद के दावेदार हैं। हाईकमान ने अढ़ाई साल का रोटेशनल फॉमूर्ला पेश किया। इसके मुताबिक, सिद्धारमैया इस साल नवंबर तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर अढ़ाई साल पूरे कर लेंगे। वह अपने नेतृत्व के 25 साल भी पूरे करेंगे। सिद्धारमैया को प्रशासन में उनके व्यापक अनुभव और ओ.बी.सी. समुदाय से उनके मजबूत समर्थन के लिए जाना जाता है।

साल के अंत में बिहार चुनाव नजदीक आने के साथ, कांग्रेस नेतृत्व एक महत्वपूर्ण ओ.बी.सी. नेता सिद्धारमैया को परेशान न करके स्थिरता बनाए रखने के लिए उत्सुक है। उनका प्रशासन मुफ्त में सामान देने, मुसलमानों को खुश करने और हिंदू समुदाय को विभाजित करने के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर, शिवकुमार को ह्यमिस्टर-फिक्सिटह्न के रूप में जाना जाता है। डी.के. को ह्यगो-टूह्न मैन के रूप में जाना जाता है और कांग्रेस नेतृत्व ने अन्य कांग्रेस शासित राज्यों में भी असंतुष्टों से निपटने में उनका इस्तेमाल किया है।

उन्हें उनके कुशल नेतृत्व और संगठनात्मक कौशल के साथ-साथ उनके वित्तीय संसाधनों और आंतरिक असंतोष को प्रबंधित करने की क्षमता के लिए महत्व दिया जाता है। दोनों नेताओं का कांग्रेस में अपना योगदान है। संकट के समय पार्टी को उनकी जरूरत है। डी.के. के अलावा, अन्य उम्मीदवार भी इस पद के लिए होड़ में हैं। लिंगायत समुदाय के मंत्री एम.बी. पाटिल भी शीर्ष पद के लिए इच्छुक हैं। शिवकुमार वोक्कालिंगा समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि कुरुबा समुदाय से सिद्धारमैया एक महत्वपूर्ण ओ.बी.सी. व्यक्ति हैं। असंतुष्ट गतिविधि से चिंतित मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हाल ही में कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों को पार्टी के आंतरिक मामलों के बारे में गोपनीयता बनाए रखने की चेतावनी दी, साथ ही कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से कहा, ह्यह्यपार्टी और हाईकमान जो चाहेगा वही होगा। उन्होंने कहा, मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका समर्थन करना है। हालांकि, उनका खेमा डी.के. को सीएम बनाना का नारा लगाता रहता है। इस बीच, सत्ता में वापसी के अवसर पर नजर गड़ाए भाजपा मध्यावधि चुनाव की भविष्यवाणी कर रही है और कह रही है कि कांग्रेस सरकार जल्द ही गिर सकती है।

सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन के किसी भी सुझाव को खारिज कर दिया है और कांग्रेस आलाकमान ने भी ऐसी किसी संभावना से इंकार किया है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा विधायकों और नेताओं के साथ बैठकों के बाद नेतृत्व परिवर्तन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने की बात कहने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री ने पुष्टि की, ह्यह्यकर्नाटक में मुख्यमंत्री में कोई बदलाव नहीं होगा। फिलहाल, सिद्धारमैया को भरोसा है कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उनकी कड़ी घोषणा और चेतावनी का उद्देश्य न केवल असहमति को शांत करना है, बल्कि जनता, पार्टी कार्यकत्ताओं और कांग्रेस नेतृत्व को स्थिरता का संदेश देना भी है। सिद्धारमैया को बदलना कांग्रेस नेतृत्व के लिए आसान नहीं है क्योंकि वह पार्टी में फूट डाल सकते हैं।

कर्नाटक में स्थिति को संभालने में कांग्रेस नेतृत्व सावधानी बरत रहा है। अगर सोनिया गांधी या राहुल गांधी ने डी.के. को रोटेशनल मुख्यमंत्री की भूमिका का वादा किया होता, तो अब उन्हें मना करना मुश्किल होता। हाईकमान को मुख्यमंत्री मुद्दे को सुलझाने के लिए चुनाव के बाद किए गए वादों को पूरा करना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो कर्नाटक को राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री पद के प्रमुख उम्मीदवार शिवकुमार ने 2023 में सिद्धारमैया के अधीन उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करने पर सहमति व्यक्त की। उन्हें शांत करने के लिए उन्हें पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख भी बनाया गया। अनुशासनहीनता, गुटबाजी और विद्रोह कर्नाटक में लगातार चुनौतियां रही हैं और कांग्रेस पार्टी ने लगातार स्वीकार्य समाधान की मांग की है। समस्या विभिन्न जातियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न पदों के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की है, जो प्राथमिक मुद्दा है। विभिन्न जाति समूहों के शीर्ष पर कई प्रभावशाली नेताओं के होने के कारण, हाई कमान को बार-बार उत्पन्न होने वाले राजनीतिक संकटों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में दुविधा का सामना करना पड़ता है। -कल्याणी शंकर

कनाडा को फिलीस्तीन मान्यता का दांव पड़ा महंगा, गुस्साए ट्रंप ने ठोक दिया मोटा टैरिफ

फिलीस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने की घोषणा कर कनाडा ने अमेरिका से अपने व्यापारिक रिश्तों में खुद ही दरार डाल दी है। इसी फैसले से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 35% टैरिफ लागू कर दिया है। इतना ही नहीं, ट्रंप ने एक ही झटके में 96 देशों पर नया टैरिफ लगाया है जिसमें भारत पर भी 25% शुल्क लगाया गया है। टैरिफ विवाद पहले से चल रहा था लेकिन फिलिस्तीन को लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बयान ने आग में घी डाल दिया। कार्नी ने 30 जुलाई को घोषणा की थी कि कनाडा सितंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वीं बैठक में फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा लेकिन इसके लिए शर्त रखी कि 2026 के चुनाव में हमास शामिल न हो। व्हाइट हाउस ने साफ कर दिया है कि कनाडा को फिलहाल कोई छूट नहीं दी जाएगी। ट्रंप प्रशासन ने कनाडा पर पहले 25% टैरिफ लगाया था जिसे अब बढ़ाकर 35% कर दिया गया है। दूसरी तरफ मैक्सिको को ट्रंप ने 90 दिन का वक्त दिया है ताकि वह नई ट्रेड डील पर बातचीत कर सके। इतना ही नहीं व्हाइट हाउस ने धमकी दी है कि अगर कनाडा या कोई दूसरा देश नए टैरिफ से बचने के लिए किसी तीसरे देश के जरिए माल भेजेगा तो उस पर 40% ट्रांसशिपमेंट चार्ज भी लगाया जाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि उनकी सरकार अमेरिका से बातचीत जारी रखेगी और समाधान निकालने की कोशिश करेगी। लेकिन फिलहाल ट्रंप प्रशासन के रुख में कोई नरमी नजर नहीं आ रही है। ट्रंप ने भारत पर भी नया 25% टैरिफ लागू कर दिया है।

सामाजिक कार्यकर्ता जतिन प्रजापति सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कल्याण के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता जतिन प्रजापति ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ महाजन वाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा में प्रवेश किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल, कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब, विधायक सुलभा गायकवाड़, वरिष्ठ नेता जगन्नाथ पाटिल,प्रदेश महिला आघाडी सचिव प्रिय शर्मा, पूरी शहरी अध्यक्ष वरुण पाटिल, प्रेमनाथ म्हात्रे, मंडल अध्यक्ष रितेश फड़के,स्वप्निल काठे, अमित धाक्रस, तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति, व्यापारी संघटन, गुजराती, मारवाड़ी एवं मराठा समाज के नेता एवं महिला वर्ग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रही। प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि, कल्याण डोम्बिवली महानगर में विकास के कार्य को गति देने के लिए यहाँ भाजपा का महापौर होना जरुरी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पुरे महाराष्ट्र का विकास तेज गति से हो रहा है। उनके इस विकास कार्य को देखते हुए कई पार्टियों के पदाधिकारी अब भाजपा में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए पुरे कल्याण में भाजपा का झंडा लहराना चाहिए। इसके लिए सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मिलकर साथ जनता तक पार्टी के विकास कार्यों को पहुचायें। ज्ञात हो कि जतिन प्रजापति पिछले दो दशकों से कल्याण में अपने सामाजिक कार्यों के जरिये अपनी विशेष पहचान बनायीं है। वर्ष २०१० और २०१५ के कल्याण डोम्बिवली महानगर पालिका के चुनाव में जतिन ने निर्दलीय उम्मीद्वार के रूप में चुनाव लड़ा था। और मात्र थोड़े मतों के अंतर से वे चुनाव हार गए थे। परन्तु सामाजिक कार्यों में उनकी रुचि और गति कभी भी कम नहीं हुयी। आज कल्याण में युवाओं की बड़ी फौज इनके साथ है।

देवमणि द्विवेदी पूर्व विधायक का प्रभाकर शुक्ल ने स्वागत किया

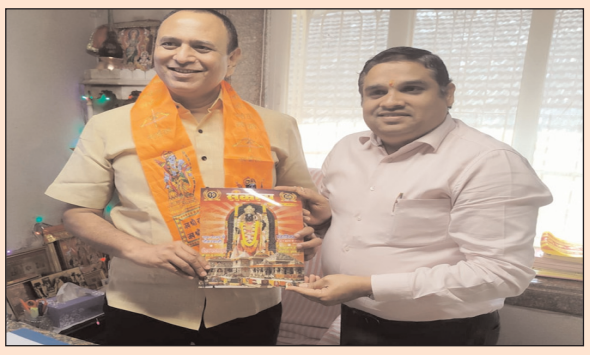

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट विक्रोली के अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख प्र.प्रभाकर शुक्ल रिंकूर के मुंबई ऑफिस पर मंगलवार को जनपद सुलतानपुर स्थित विधानसभा लंभुआ के पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी का आगमन हुआ उनके मुंबई आगमन पर प्रभाकर शुक्ल रिंकू ने अंगवस्त्र और संकल्प पत्रिका भेंट कर भव्य स्वागत कर सौहार्दतापूर्ण मुलाकात किए और काफी देर तक विभिन्न विषयों पर चचाएँ हुई। इस अवसर पर राजेश त्रिपाठी, रूपराज बाफना, प्रशांत शुक्ल,रामराज यादव भरखरे, अवधेश तिवारी,शैलेश खौनेकर, अनिल त्रिपाठी,आदेश मिश्र,राज मिश्र, विवेक दुबे, कुणाल उघड़े खालिक शेख,किशन शर्मा, कमलेश पाठक,विपिन सिंह मौजूद थे।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने नेक्स्ट-जेन रोर ईजी सिग्मा लॉन्च की

मुंबई। भारत की घरेलू और रिसर्च-बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने आज अपनी नई कम्यूटर बाइक रोर ईजी सिग्मा लॉन्च कर दी है। यह एक दमदार और नेक्स्ट-जेन इलेक्ट्रिक कम्यूटर बाइक है, जिसकी शुरूआती कीमत खास इंट्रोडक्टरी ऑफर के तहत रुपये 1. 27 लाख रखी गई है। रोर ईजी सिग्मा को खासतौर पर मॉडर्न इंडियन राइडर्स के लिए शहर में आरामदायक और बेहतरीन सफर देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह बाइक पहले लॉन्च हुई रोर ईजी की मजबूत कम्यूटर पहचान पर आधारित है और इसमें हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर के कई नए अपग्रेड जोड़े गए हैं, ताकि राइडिंग एक्सपीरियंस और यूटिलिटी दोनों को और बेहतर बनाया जा सके। कस्टमर सिर्फ रुपये 2,999 देकर रोर ईजी सिग्मा की बुकिंग कर सकते हैं। टेस्ट राइड्स देशभर के ओबेन शोरूम में शुरू हो चुकी हैं और कस्टमर्स को बाइक की डिलीवरी 15 अगस्त 2025 से मिलेगी। नए फीचर्स की बात करें तो इसमें रिवर्स मोड शामिल है, जिससे शहर की भीड़ वाली जगहों में बाइक को आसानी से घुमाया जा सकता है। वहीं, 5-इंच का टीएफटी कलर डिस्प्ले अब और भी बेहतर डैशबोर्ड एक्सपीरियंस डेता है, जिसमें इन-बिल्ट नेविगेशन, ट्रिप मीटर और कॉल, मैसेज व म्यूजिक के लिए रियल-टाइम अलर्ट की सुविधा है। लंबे सफर को कम्फर्टेबल बनाने के लिए एर्गोनॉमिक डिजाइन वाली नई सीट दी गई है। इसके अलावा बोल्ड ग्राफिक्स और नया इलेक्ट्रिक रेड कलर मौजूदा कलर्स जैसे फोटोन व्हाइट, इलेक्ट्रो एंबर और सर्ज सियान के साथ एक नई ताजगी लाता है। दो बैटरी वेरिएंट्स में उपलब्ध रोर ईजी सिग्मा को खास कीमत के साथ उतारा गया है जिसकी 3.4 'हँ मॉडल की कीमत रुपये 1.27 लाख और 4.4 'हँ मॉडल की कीमत रुपये 1.37 लाख रखी गई है। लॉन्च ऑफर खत्म होने के बाद इनकी कीमतें क्रमशः रुपये 1.47 लाख और रुपये 1.55 लाख होंगी। कस्टमर्स को इलेक्ट्रिक बाइक की दुनिया में आसानी से कदम रखने का मौका देने के लिए रोर ईजी सिग्मा सिर्फ रुपये 2,999 की ईएमआई से भी उपलब्ध है।

ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, 'रोर ईजी सिग्मा का लॉन्च शहरों में आवागमन के भविष्य को बदलने की हमारी यात्रा में एक बड़ा कदम है। इस नए जेनरेशन मॉडल के साथ हमने सिर्फ छोटे बदलाव नहीं किए, बल्कि आज के राइडर्स की गहरी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया है। इसमें इंटेलिजेंस, आराम और भरोसे को जोड़ा गया है, ताकि यह बाइक भारत के हिसाब से पूरी तरह फिट हो। रोर ईजी सिग्मा हमारी इसी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा शिवाजी नगर

भक्तिमय वातावरण में निकली भव्य शिव कावड़ पदयात्रा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिव भक्ति में लीन श्रद्धालुओं के उत्साह और श्रद्धा का संगम श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त 2025 को शिवाजी नगर में देखने को मिला, जब भव्य शिव कावड़ यात्रा शिवाजी नगर सालवड कमेटी के तत्वावधान में भव्य शिव कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यह पावन यात्रा सूर्या नदी से प्रारंभ होकर श्री ॐकारेश्वर महादेव मनोकामनापूर्ण मंदिर तक श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ सम्पन्न हुई।

कावड़ यात्रा की शुरूआत से पहले सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच अनेक अतिथियों की उपस्थिति में श्री ॐकारेश्वर महादेव मनोकामनापूर्ण मंदिर में मुख्य अतिथि ने सपत्नीक भगवा ध्वज व नारियल हांथ में लेकर भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर कावड़ यात्रा के निर्विघ्न और सफल आयोजन की प्रार्थना की। इस आध्यात्मिक कावड़ यात्रा की शुरूआत सूर्या नदी घाट से हुई, जहां सैकड़ों श्रद्धालु कावड़िए एकत्रित हुए। सभी कावड़ियों ने भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने का संकल्प लिया और कावड़ भरकर श्री ॐकारेश्वर महादेव

मनोकामनापूर्ण मंदिर, शिवाजी नगर सालवड की ओर प्रस्थान किया। यात्रा प्रारंभ से पूर्व सूर्या नदी घाट पर उपस्थित मान्यवरों के शुभ हाथों नारियल तोड़कर विधिवत रूप से पदयात्रा का शुभारंभ किया गया। चारों ओर हर हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस यात्रा के सफल आयोजन में भव्य शिव कावड़ यात्रा शिवाजी नगर सालवड कमेटी की अहम भूमिका रही, जिसमें शिवचंद यादव, अनिल गुप्ता, देवी सिंह, संजय लवकुश पाटील, जितेंद्र यादव, विकास झा, राजेश यादव, गिरजेश यादव, सुजीत यादव, नितेश सिंह, मृगेंद्र सिंह, उमेश गौड़, दीपक चौबे, ईश्वर दयाल यादव, दयाराम यादव, मानिकचंद मौर्य, अशोक जायसवाल, सुभाष ठाकुर, बेबी चौधरी, रूबी सिंह, प्रेमलता गुप्ता, प्रेमकला पाण्डेय, रेनू ठाकुर, आशा शुक्ला आदि ने सक्रिय योगदान दिया। श्री ॐकारेश्वर महादेव मनोकामनापूर्ण मंदिर के व्यवस्थापक संत हर हर महादेव जी के मार्गदर्शन एवं देखरेख में यह पवित्र कावड़ यात्रा संपन्न हुई। वहीं संपूर्ण यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के सदस्यों ने कुशलता पूर्वक निभाई। पूरे मार्ग पर हर हर महादेव के गगनभेदी जयघोष गूंजते रहे। कावड़ियों ने हाथों में कावड़ लेकर भक्ति और उल्लास के साथ यात्रा पूरी की और ॐकारेश्वर महादेव मंदिर पहुँचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

चौथी विश्व बाल ताइक्वांडो यूनियन चैंपियनशिप में भारतीय बच्चों ने जीते 22 पदक

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। भारतीय बाल ताइक्वांडो यूनियन ने सांगजी विद्यापीठ, गंगवोन-दो (दक्षिण कोरिया) में आयोजित चौथी विश्व बाल ताइक्वांडो यूनियन चैंपियनशिप 2025 में सफलतापूर्वक भाग लिया। भारत के युवा खिलाड़ियों ने पूमसे और क्युरोगी में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 22 पदक जीते। उन्होंने 20 स्वर्ण पदक और 2 रजत पदक सहित कुल 22 पदक जीते। इस प्रतियोगिता का आयोजन विश्व बाल ताइक्वांडो यूनियन द्वारा किया गया था। भारतीय टीम का नेतृत्व भारतीय बाल ताइक्वांडो यूनियन के अध्यक्ष शिवराम मकवाना ने किया। अंतराष्ट्रीय कोच जयेश वेल्हाल ने मुख्य कोच के रूप में टीम का मार्गदर्शन किया। निशांत शिंदे, विक्रांत देसाई, यश दलवी, कृपेश राणक्षेत्रे और स्वप्निल शिंदे ने सहायक कोच के रूप में बहुमूल्य योगदान दिया। भारत के निशांत शिंदे और विक्रांत देसाई ने इस टूनार्मेंट में रेफरी सदस्य के रूप में काम किया और टूनार्मेंट को सफल बनाया।

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल फिलहाल स्थगित : नरेंद्र पवार

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम के चिकनघर स्थित शांतिदूत सोसाइटी के पुनर्विकास का काम एक बिल्डर को सौंपा गया था। पूर्व भाजपा विधायक नरेंद्र पवार ने निवासियों के साथ पुलिस उपायुक्त कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी थी। उन्होंने बिल्डर और उसकी मदद करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की थी, क्योंकि इस सोसाइटी का पुनर्विकास कई वर्षों से रुका हुआ है। आज भूख हड़ताल का तीसरा दिन था। हालाँकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा इस संबंध में जल्द ही एक बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिए जाने के बाद आज शाम भूख हड़ताल समाप्त कर दी गई।

पूर्व विधायक पवार ने बताया कि

भाजपा विधायक किसन कथोरे और महेश चौगुले ने इस भूख हड़ताल के संबंध में पूरी जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। विधायक कथोरे और चौगुले ने पवार को इसकी जानकारी दे दी है। साथ ही, यह जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को भी दे दी गई है। ठोस आश्वासन मिलने के बाद भूख हड़ताल फिलहाल स्थगित कर दी गई है। अगर मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की बैठक में हम संतुष्ट नहीं हुए, तो हम फिर से भूख हड़ताल पर जाने को तैयार हैं। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री इस मुद्दे का समाधान करेंगे। उन पर विश्वास रखते हुए, हमने फिलहाल इस भूख हड़ताल को स्थगित कर दिया है।

इस परियोजना के निमार्ता श्रीकांत शितोले ने कहा कि यह स्वीकार्य है कि परियोजना में देरी हुई है। कुछ नीतिगत त्रुटियों के कारण परियोजना को पूरा करने में कठिनाइयाँ आई हैं। ये सभी तकनीकी पहलू पूरे हो चुके हैं। वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ सभी स्वीकृतियाँ भी मिल चुकी हैं। इसलिए, भूख हड़ताल करने वालों को अपनी गलतफहमियाँ दूर कर लेनी चाहिए। उन्हें परियोजना में शामिल होना चाहिए। इस परियोजना को 90 प्रतिशत सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। इस परियोजना में 12 संगठन शामिल हैं। उनमें से 11 संगठन परियोजना का समर्थन कर रहे हैं। यह एक महत्वपूर्ण बात है। इसे समझा जाना चाहिए। हमारी अपील है कि परियोजना का समर्थन करें।

साहित्य सम्राट लोकशाहिर अण्णाभाऊ साठे की जयंती पर कार्यक्रम संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। साहित्य सम्राट लोकशाहिर अण्णाभाऊ साठे की 105 वी जयंती के अवसर पर भिवंडी शहर के कोंबडपाडा मेनकागांधी नगर में बड़े धूमधाम से मनाई गी । बतादें कि युवाओं ने उनके विचारों को जनता तक पहुंचाया और साथ ही रैली निकालकर जयंती उत्साह पूर्ण संपन्न किया । भिवंडी के मेनका गांधी नगर परिसर में वीर लहुजी मित्र मंडल द्वारा साहित्य सम्राट लोकशाहिर अण्णाभाऊ साठे की जयंती पर उपस्थित अतिथियों अण्णाभाऊ साठे, डा.बाबासाहेब आम्बेडकर, छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर अभिवादन किया

और मंच से समाज के लोगो लोकशाहिर अण्णाभाऊ साठे के विचारों को जनता तक पहुंचाया । तदुपरांत परिसर की जनता ने ढ़ोल तासे के साथ रैली निकालकर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक गये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व नगरसेविका साखराताई बगाड़े, बब्बू रोकडे,भूषण रोकडे, रविश मोमिन, मयूर पाटिल, एडवोकेट अजित गायकवाड, कृष्णा गाजेंगी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, सभी का स्वागत सम्मान आयोजको द्वारा किया गया वहीं वीर लहुजी मित्र मंडल के अध्यक्ष दिलीप साठे, महादेव ससाने, शुभम घोड़के, विकास कांबळे, निखिल घोड़के, आकाश कांबळे, पवन घोड़के, दीपक घोड़के व सभी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अथक प्रयास किया ।

पेटीएम के उपहारों के साथ मनाए रक्षाबंधन

मुंबई। इस रक्षाबंधन पारंपरिक उपहारों से आगे बढ़ते हुए पेटीएम के साथ बहनों को वित्तीय सुरक्षा, यादगार अनुभवों और दीर्घकालिक लाभ जैसे सार्थक विकल्पों के माध्यम से सशक्त बनाएं। पेटीएम के साथ उपहार में आप अपनी प्यारी बहन को यूपीआई ट्रांसफर के साथ व्यक्तिगत संदेश, पेटीएम गिफ्ट काड्र्स, डिजिटल गोल्ड, यात्रा टिकट या ट्रैवल पास गिफ्ट, स्टेकैशन या वेकेशन, स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बीमा आदि उपहार दे सकते हैं। यूपीआई ट्रांसफर के साथ व्यक्तिगत संदेशः दूरी चाहे जितनी हो, उपहार का महत्व बना रहता है। पेटीएम यूपीआई के माध्यम से तुरंत, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से धन स्थानांतरित करें। एक व्यक्तिगत संदेश जोड़ें और उपहार को अधिक भावनात्मक और समयानुकूल बनाएं। पेटीएम गिफ्ट काड्र्सः उपहार देने में लचीलापन अहम होता है। पेटीएम गिफ्ट काड्र्स प्राप्तकर्ता को शीर्ष ब्रांड्स, फैशन रिटेलर्स, फूड आउटलेट्स और मनोरंजन प्लेटफॉर्म्स के व्यापक नेटवर्क से चुनने की आजादी देते हैं। यह एक ऐसा सहज समाधान है जो अलग-अलग पसंदों को एक ही प्लेटफॉर्म पर पूरा करता है। डिजिटल गोल्ड खरीदेंः राखी का जश्न मनाएं एक ऐसे उपहार के साथ जो भावनात्मक गर्मजोशी और दीर्घकालिक मूल्य का मेल हो – पेटीएम ऐप पर डिजिटल गोल्ड। मात्र रुपये 51 से शुरूआत कर, इसमें दैनिक, साप्ताहिक या मासिक निवेश किया जा सकता है। यह विकल्प 24 कैरेट सोने की सुरक्षित खरीद, भंडारण और बिक्री की सुविधा देता है – कभी भी। चाहे साथ में हों या दूर, यह एक ऐसा कालातीत इशारा है जो भाई-बहन के रिश्ते की स्थायीत्वता को दशार्ता है।

यात्रा टिकट बुक करें या ट्रैवल पास गिफ्ट करेंः अपनी बहन को एक छोटे ब्रेक का तोहफा दें – उसकी फ्लाइट, ट्रेन या बस टिकट को पेटीएम ऐप के माध्यम से आसानी से बुक करें। अधिक लचीलापन देने के लिए, पेटीएम ट्रैवल पास चुनें – एक डिजिटल ट्रैवल वाउचर जो उसे अपनी सुविधा अनुसार यात्रा करने की स्वतंत्रता देता है। यह ट्रैवल पास घरेलू फ्लाइट बुकिंग पर रुपये 1000 तक की छूट देता है और 1 वर्ष तक मान्य रहता है। इसमें सुविधा शुल्क नहीं लगता, जिससे यात्रा का अनुभव सरल और किफायती बनता है।

मिंत्रा ने 3 लाख से अधिक स्टाइल्स के साथ रक्षाबंधन की शॉपिंग को बनाया और भी खास

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मिंत्रा ने रक्षा बंधन के अवसर पर अपना समर्पित राखी स्टोर लॉन्च किया है। इस स्टोर पर 2,500 से ज्यादा ब्रांड्स की ओर से 3 लाख से अधिक स्टाइल में एथनिक वियर, फुटवियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, गुरमे हैंपर, एक्सेसरीज और को-ब्रांडेड गिफ्ट हैंपर तथा 30,000 से अधिक अद्वितीय स्टाइल की राखी का विशाल कलेक्शन मौजूद है। यहाँ पर राखी अंडर 999 का एक विशेष सेक्शन भी है, जिसमें लोग रक्षा बंधन के लिए फेस्टिव शॉपिंग कर सकते हैं।

मिंत्रा पर 15 से अधिक ब्रांड्स ने पहली बार को-ब्रांडेड राखी गिफ्ट बॉक्स लॉन्च किए हैं, जिनमें से 10 केवल मिंत्रा पर ही उपलब्ध हैं। इन को-ब्रांडेड हैम्पर्स में मान्यवर, वस्त्रमय, एक्सेसराइज लंदन, इशिन, बीबा, टॉमी हिलफिगर, रॉफ्रूट और सुता की ओर से कलेक्शन शामिल हैं। इसमें अंडमान ७ सल्वाटोर फेरागामो जैसे प्रीमियम गिफ्ट बॉक्स शामिल हैं, जो भारतीय कारीगरी और इंटरनेशनल स्टाइल का बेहतरीन मेल हैं। इसके अलावा, ब्यूटी और पर्सनल केयर सेगमेंट का विस्तार करके 3,000 से अधिक फेस्टिव-रेडी गिफ्टिंग विकल्प पेश किए जा रहे हैं, जिनमें फॉरेस्ट एसेंशियल्स, जीन पॉल गॉल्टियर,

क्लिनिक, डायसन जैसे प्रीमियम ब्रांड्स के गिफ्ट बंडल शामिल हैं।

शुरूआती ट्रेंड्स के अनुसार एथनिक वियर की मांग सबसे अधिक रहने वाली है। महिलाओं के कुर्ते, साड़ी और फ्यूजन स्टाइल के साथ पुरुषों के कुर्ता सेट और नेहरू जैकेट काफी अधिक खरीदे जाएंगे। ग्राहकों द्वारा फेस्टिव शॉपिंग को पूरा करने के लिए फुटवियर और एक्सेसरीज, खासकर जूती, एम्बेलिश्ड सैंडल, वॉच और हैंडबैग की काफी मांग देखने को मिल रही है। ब्यूटी और पर्सनल केयर में भी तेजी बनी हुई है। गिफ्ट बॉक्स, ग्रूमिंग किट और परफ्यूम की काफी ज्यादा मांग है। इसके अलावा, गिफ्ट पर केंद्रित श्रेणियों, जैसे डिजाइनर बैग, प्रीमियम वॉच और स्किनकेयर हैम्पर्स में ग्राहक लग्जरी और प्रीमियम ब्रांड सेगमेंट की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। राखी स्टोर में सबसे अधिक मांग में रहने वाले ब्रांड्स में गिवा, इंडो एरा, रितु कुमार, हाउस ऑफ पटौदी, अंडर आर्मर, नाइकी, एडिडास, गेस, राल्फ लॉरेन, रॉबर्टो कैवल्ली, फॉरेस्ट एसेंशियल्स, डायसन, मेबेलिन आदि शामिल हैं।

बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई में गिफ्ट्स की लास्ट-मिनट शॉपिंग के लिए ग्राहक एम-नाउ को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। इसकी मदद से वो 300 से अधिक राखी स्टाइल और 800 से अधिक उपहार विकल्पों की डिलीवरी केवल 30 मिनट के अंदर प्राप्त कर सकते हैं। मिंत्रा के राखी स्टोर पर एम-नाउ द्वारा डिलीवरी करने वाले प्रीमियम ब्रांड्स में कैल्विन क्लेन, मैंगो, हाईडिजाइन, रे-बैन, डा मिलानो, टॉमी हिलफिगर आदि शामिल हैं।पिछले त्योहारों के दौरान मिंत्रा के ट्रेंड्स बताते हैं कि टियर-2 शहर और उससे छोटे शहर फेस्टिव शॉपिंग को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस बार के त्योहारों के लिए मिंत्रा ने क्षेत्रीय कलेक्शन को और मजबूत किया है, त्योहारों से जुड़ी कहानियों पर फोकस किया है और लोकल भाषाओं में क्रिएटर-लेड डिस्कवरी को बढ़ावा दिया है। इतना ही नहीं स्थानीय सर्च जैसे टूल्स ग्राहकों को देश के छोटे-छोटे इलाकों में भी आसानी से अपनी पसंद की चीजें खोजने में मदद करेंगे।

इनोवेटिव बिल्डकॉन और पाटिल डेवलपर्स ने अंबरनाथ का पहला रूफटॉप लाइफस्टाइल प्रोजेक्ट इनोवेटिव सोलिटेयर लॉन्च किया

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में क्वालिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए मशहूर रियल एस्टेट कंपनी 'इनोवेटिव बिल्डकॉन' ने अंबरनाथ के भरोसेमंद डेवलपर पाटिल डेवेलपर्स के साथ मिलकर नया प्रीमियम रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रोजेक्ट इनोवेटिव सोलिटेयर लॉन्च किया है। यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र के अंबरनाथ (वेस्ट) में बेथेल चर्च के पास स्थित है। 30 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में अंबरनाथ की पहली मॉडर्न रूफटॉप सुविधाएं दी जा रही हैं, जो इस इलाके में शहरी लाइफस्टाइल का नया बेंचमार्क तय करती हैं।

इस प्रोजेक्ट को जेसन सैमुअल (डायरेक्टर, इनोवेटिव बिल्डकॉन और हाउस ऑफ स्वामीराज) और प्रथमेश पाटिल (डायरेक्टर, पाटिल डेवेलपर्स एंड बिल्डर्स) ने मिलकर तैयार किया है। इसमें 1 इल्ड, 2 इल्ड और 3 इल्ड फ्लैट्स के साथ कमर्शियल शॉप्स भी शामिल हैं। यह

प्रोजेक्ट उन परिवारों, प्रोफेशनल्स और इन्वेस्टर्स के लिए बनाया गया है जो ज्यादा जगह वाले और आधुनिक सुविधाओं वाले घर की तलाश में हैं।

इनोवेटिव सोलिटेयर अंबरनाथ का पहला रूफटॉप लाइफस्टाइल एक्सपीरियंस लेकर आया है। इसमें क्लबहाउस, योग और मेडिटेशन डेक, रिफ्लेक्सोलॉजी पाथवे, जॉगिंग और वॉकिंग ट्रैक, बारबेक्यू और पार्टी जोन, और सीनियर सिटिजन्स के लिए बैठने की खास व्यवस्था शामिल है। इन सुविधाओं का मकसद एक ऐसा कम्युनिटी माहौल बनाना है जो आराम, सेहत और आपसी जुड़ाव को साथ लाए।

लॉन्च के मौके पर इनोवेटिव बिल्डकॉन और हाउस ऑफ स्वामीराज के डायरेक्टर जेसन सैमुअल ने कहा,अंबरनाथ का रियल एस्टेट अब बदलाव के दौर में है। यहां के खरीदार अब ऐसे घर चाहते हैं जो सिर्फ बेसिक नहीं, बल्कि बेहतर सुविधाओं से भरपूर हों। इनोवेटिव सोलिटेयर इसी सोच के साथ बनाया गया है। अंबरनाथ का पहला रूफटॉप क्लबहाउस और बड़े कार्पेट एरिया वाले घर देकर हम यहां की लाइफस्टाइल का स्तर ऊपर उठा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के लॉन्गटर्म लक्ष्य पर बात करते हुए पाटिल बिल्डर्स एंड डेवेलपर्स के डायरेक्टर प्रथमेश पाटिल ने कहा, यह प्रोजेक्ट अंबरनाथ के लिए हमारे लॉन्गटर्म उद्देश्य को दिखाता है। इसमें वैसी क्वालिटी और सुविधाएं दी जा रही हैं जो पहले सिर्फ बड़े शहरों में ही मिलती थीं। इनोवेटिव सोलिटेयर उन परिवारों के लिए बनाया गया है जो आधुनिक कम्फर्ट और लंबे समय तक टिकने वाली वैल्यू चाहते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नेवढ़िया में हुई लूट का खुलासा, तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार

थाना नेवढ़िया, मड़ियाहूं, बरसठी, स्वाट व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम को मिली सफलता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना नेवढ़िया, मड़ियाहूं, बरसठी, स्वाट व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम ने थाना नेवढ़िया अन्तर्गत हुई लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए ।तीन शातिर लुटेरे को किया गिरफ्तार। कब्जे से नकदी कुल 8,46,600 रुपया, दो तमंचा, दो जिन्दा व दो मिस कारतूस, लुटी गई मोबाइल व घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटर साइकिल बरामद। दिनांक

कब्जे से नकदी कुल 8,46,600 रुपया, दो तमंचा, दो जिन्दा व दो मिस कारतूस, दो पहिया वाहन बरामद

31.07.2025 को थाना क्षेत्र नेवढ़िया में सीतमसराय स्थित वक्रांगी केन्द्र संचालक के साथ हुई लूट की घटना जिसमें अपाची मोटर साइकिल सवार तीन व्यक्ति नाम पता अज्ञात द्वारा वादी मुकदमा के बैग में रखा 927000 रुपया, एक ओप्पो मोबाईल, चेक बुक व एटीएम स्वाईप मशीन बैग सहित छिनैती हुई थी। उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-168/25 धारा-304(2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना के शीघ्र अनावरण हेतु। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्वेक्षण में पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीम पुलिस द्वारा आज दिनांक 05.08.25 को मुखबिर की सूचना पर मुकदमे का सफल अनावरण करते हुए तीन नफर आरोपियों को होरैय्या गेट के पास स्थित पुलिया के पास समय करीब 04.45 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी भागने का प्रयास किए। मोटर साइकिल फिसलने से अभियुक्तों को चोटे आई है। उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से लूट का कुल 810000 रूपया, एक लूटी हुई मोबाइल, लूट की घटना मे प्रयुक्त अपाची आरटीआर-160 सीसी नीले रंग की

मोटरसाइकिल सम्बन्धित मु0अ0सं0 168/2025 धारा 309(4)/317(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना नेवढ़िया जौनपुर व थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के मु0अ0सं0 172/25 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस का माल मशरुका 36000 रूपया बरामद किया गया। आरोपीगण शातिर किस्म के अपराधी है ।उक्त अपराध के अलावा आरोपीगण उपरोक्त के विरूद्ध कई अभियोग पंजीकृत है। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपियों उपरोक्त की गिरफ्तारी से इस तरह की घटना पर प्रभावी अंकुश लगेगा ।बरामदगी का विवरण-अरविन्द राजभर उर्फ मगनू राजभर पुत्र मेवालाल राजभर ग्राम जयरामपुर थाना मड़ियाहूँ जौनपुर ।एक कट्टा .315 बोर नाजायज व एक जिन्दा कारतूस व एक मिस कारतूस, जामा तलाशी से लूट का 10000 रूपया चिटबन्दी किया हुआ सम्बन्धित सम्बन्धित मु0अ0सं0 172/2025 धारा 304(2) बीए?एस थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर ।नीले रंग की बैग से 258600 रूपया व एक अदद लूट हुई ओप्पो कम्पनी का वादी मुकदमा की मोबाईल सम्बन्धित मु0अ0सं0 168/25 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर ।विकास राजभर पुत्र पवन राजभर ग्राम काकोरी त्रिलोचन महादेव थाना जलालपुर जौनपुर। एक कट्टा .315 बोर नाजायज व एक जिन्दा कारतूस व एक मिस कारतूस ,लूट का 16000 रूपया चिटबन्दी किया हुआ सम्बन्धित सम्बन्धित मु0अ0सं0 172/2025 धारा 304(2) बीए?एस थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर ।नीले रंग की बैग डडछअरळअ लिखा है, मे से लूट का 252000 रूपया सम्बन्धित मु0अ0सं0 168/25 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर ।जामा तलाशी से प्राप्त आरोपी की वीवो कम्पनी की मोबाईल। राजन राजभर पुत्र बलिराम राजभर निवासी ग्राम हरसोस थाना जन्सा जनपद वाराणसी ।लूट का 10000 रूपया चिटबन्दी किया हुआ सम्बन्धित सम्बन्धित मु0अ0सं0 172/2025 धारा 304(2) बीए?एस थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर ।आसमानी रंग की बैग से 300000 रूपया सम्बन्धित मु0अ0सं0 168/25 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर। आरोपी की ओप्पो कम्पनी की मोबाईल,लूट की घटना में प्रयुक्त एक चोरी नीले रंग की चोरी की अपाचे आरटीआर 160 शामिल है।

थाने पर गुहार लगाने पहुंची महिला को महिला कांस्टेबल ने जड़ा थप्पड़

एसपी आर.ए. ने जांच उपरांत कार्यवाही की कही बात

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के ताहिरपुर गांव निवासी पूजा चौहान पत्नी अनिल चौहान का अपने ही पट्टीदारों से घर के दरवाजे पर पाटी गई मिट्टी को हटाने को लेकर विवाद हो गया। जिस बात को लेकर 4 लोगों ने मिलकर महिला को घर में खींच ले गए और लात घुसों से जमकर उसकी पिटाई कर दी। आरोप है कि जब पीड़ित महिला थाने पहुंची तो महिला कांस्टेबल ने भी थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद दोनों पक्षों का 151 में चालान कर दिया। पीड़ित महिला का आरोप है कि वह न्याय मांगने थाने पर आई थी तो महिला सिपाही द्वारा उसे ही पीट दिया गया। जिसके कारण उसके कान में दर्द है। सीओ सदर परमानंद कुशवाहा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह जघन्य अपराध है। अगर महिला सिपाही द्वारा पीड़ित महिला को थप्पड़ मारा गया है तो जांच करके उचित कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

खुटहन, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज वाया प्रयागराज राजमार्ग के पनौली गांव के मोड़ पर सोमवार को पिकअप की चपेट में आकर एक बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। मौके पर पहुंचे स्वजनों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। सौरइयां गांव निवासी 30 वर्षीय पवन विश्वकर्मा पुत्र स्व दयाशंकर बाइक से खुटहन बाजार से वापस घर जा रहा था। उक्त मोड़ के पास सामने से आ रही पिकअप से टक्कर लग गई। सिर में गंभीर चोटें आने से पवन की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर वाहन को थाने ले आई। घटना की जानकारी होते ही पत्नी रंजू देवी, पांच वर्षीय पुत्र लकी और तीन वर्षीय यशू अपनी मां के साथ मौके पर पहुंच रोने बिलखने लगे। मृत पवन के सिर से माता पिता का साया पहले ही उठ चुका है। वह अपने परिवार का अकेला पालक था। उसकी मौत से पूरे परिवार का आसरा छिन गया।

जौनपुर में विद्युत तार के स्पर्श से महिला की हुई मौत

मीरगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के रामपुर चौथार गांव में बीती रात विद्युत करंट की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गयी। आननफानन में स्वजन महिला जीवी को जरौना स्थित एक चिकित्सक के ले गया जहां हालत चिंराजनक देख चिकित्सकों ने मछलीशहर भेज दिया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय क्षेत्र के रामपुर चौथार गांव निवासी नगीना देबी 52 वर्ष पत्नी प्रमोद तिवारी रविवार की देर शाम करीब 10 बजे नित्य क्रिया कर बिस्तर पर सोने जा रही थी। तभी खिड़की के ऊपर गुजरे विद्युत तार कटा हुआ था, जिसकी चपेट में आ गयी ।जिससे वह गिरकर तड़पड़ने लगी। महिला को करंट लगने की जानकारी मिलते ही स्वजन दौड़कर मौके पर जब तक पहुंच कुछ कर पाते उसकी सांसें थमने लगी। आननफानन में स्वजन नजदीक के अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सक ने महिला की हालत को देखते ही मछलीशहर भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। महिला के मृत होने की चिकित्सक द्वारा पुष्टि किये जाने के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया हैं। उधर घर पर महिला के मौत होने की खबर मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया हैं।

जौनपुर शहर के दो ट्रांसफार्मरों पर गिरी आकाशीय बिजली, हुए क्षतिग्रस्त

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर में सोमवार की सुबह 5 बजे आकाशीय बिजली गिरने के कारण बिजली विभाग के दो बड़े ट्रांसफार्मर के साथ कई जगह 11 हजार के तार भी टूट कर गिर पड़े। कई घरों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गयी जिसकी सुचारू रूप से विद्युत व्यवस्था करने के लिए विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी युद्ध स्तर से प्रयासरत थे। आकाशीय बिजली से क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर 630 केवीए अहमद खां मण्डी और 250 केवीए पुलिस लाइन में ट्रांसफार्मर हैं। जिला कारागर के पास पोस्ट ऑफिस कॉलोनी के पास 2 पिन इंसुलेटर भी क्षतिग्रस्त हुये जिसके चलते आपूर्ति दिन भर बाधित रही।

जौनपुर पधारे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने जेसीआई जौनपुर के कार्यों की किया सराहना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जेसीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर की जौनपुर की आधिकारिक यात्रा शिराजे हिंद जौनपुर की धरती पर एल.ओ. कार्यक्रम को संबोधित किया गया जेसीआई अध्यक्ष द्वारा वर्ष पर्यन्त किए गए कार्यों का संक्षिप्त रिपोर्ट सदन के सामने रखा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा का स्वागत जेसीआई के परमानेंट प्रोजेक्ट जेसीज चौराहे पर अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने ढोल नगाड़ा के साथ बुके देकर और माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया सभी जेसी मेंबरों के साथ स्वागत करने वालों में पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल,जोन ऑफिसर संदीप पांडे,निवर्तमान अध्यक्ष आशुतोष जायसवाल,संतोष अग्रहरि ,सौरभ बरनवाल , अजय नाथ,सचिव सतीश जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे स्वागत पश्चात होटल रघुवंशी में अतिथियों के द्वारा मल्टी गया,जिसकी अतिथियों ने जमकर सराहना की कार्यक्रम का संचालन अंजनी प्रजापति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल व आलोक सेठ मंडल अधिकारी संदीप पांडे, मंडल उपाध्यक्ष सोनम चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह, पूर्व अध्यक्ष संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रशांत सिंह लकी, सचिव सतीश कुमार जायसवाल, अविनाश जायसवाल सौरभ सेठ ज्योति श्रीवास्तव, संतोष अग्रहरि, दीपा सेठ, विनायक गुप्ता आदि उपस्थित रहे। तत्पश्चात तिलकधारी मेमोरियल कॉलेज, राजेपुर में स्मार्ट क्लास का अनावरण राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के कर कमलो द्वारा किया गया ।साथ ही साथ वहां पर अतिथियों द्वारा एक वृक्ष मां के नाम लगाया गया, सभी का स्वागत विद्यालय प्रबंधक और जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह द्वारा किया गया इसके पश्चात जेसीआई जौनपुर का परमानेंट प्रोजेक्ट जेसी बालवाड़ी स्कूल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के द्वारा पौधारोपण किया गया एवं स्कूल का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण पश्चात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा स्कूल की सराहना की गई एवं जेसीआई जौनपुर द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम की प्रशंसा किया मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा ने जेसीआई जौनपुर के पूरे वर्ष पर्यंत किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए जौनपुर के स्वागत की सराहना किया पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल जायसवाल ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष के जौनपुर आगमन के दौरान किए गए कार्यों की प्रशंसा किया और अतिथियों को बताया कि जेसीआई जौनपुर मंडल की सबसे पुरानी संस्था है जो अपने विशेष स्वागत के लिए जाना जाता है ।कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह, सचिव सतीश जायसवाल आदि उपस्थित रहे प्रदीप सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

बुढवा मंगल पर्व पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, डीएम ने किया अजोसी महावीर धाम में दर्शन व पूजन

शक्ति पीठ मंदिर में जिलाधिकारी का भव्य स्वागत, श्रद्धालुओं को फल वितरित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बुढवा मंगल पर्व के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने शक्ति पीठ मंदिर अजोसी महावीर धाम में दर्शन और पूजा अर्चन किया। इस दौरान उन्होंने धाम की ऐतिहासिकता के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपस्थित लोगों ने मंदिर की ऐतिहासिकता और पौराणिकता के बारे में बताते हुए कहा कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नत अवश्य पूरी होती है। जिलाधिकारी ने मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

डा.अमरनाथ पाण्डेय बनाये गये प्रदेश उपाध्यक्ष

जौनपुर। दी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश शाखा की प्रदेश कार्यकारिणी चुनाव सत्र 2025-27 नयागंज कानपुर में संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम कार्यकारिणी बैठक के पश्चात प्रदेश चुनाव सत्र 2025-27 के लिए कैबिनेट पदाधिकारी का चुनाव भी सर्वसम्मति से केंद्र द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी जौनपुर के डा. बृजेश सिंह की देख–रेख में संपन्न हुआ। साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गये। चुनाव में उत्तर प्रदेश शाखा द्वारा इस बार भी डॉ अमरनाथ पांडेय को पुनः कार्यकारिणी में जगह मिली। डॉ

पाण्डेय को 2025-27 के लिए निर्विरोध प्रदेश उपाध्यक्ष चुना गया। साथ ही जौनपुर के डॉ आशीष पांडेय को संयुक्त सचिव का पद मिला। यह जानकारी होने पर जौनपुर के चिकित्सकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। वहीं दूसरी ओर यह जौनपुर के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। इसी क्रम में प्रदेश शाखा को प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कानपुर के डा. दिवाकर तिवारी, प्रयागराज के डा. विकास मिश्रा महासचिव तथा फूलपुर के डा. विनोद यादव का कोषाध्यक्ष के लिये चयन हुआ।

मोटे अनाज देते हैं भरपूर पोषण: डा.रमेश चंद्र यादव

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज ब्लाक के सोंधी स्थित कार्यालय सभागार में मंगलवार को कृषि विभाग कि ओर से त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम एवं

उत्तर प्रदेश मीलेट्स पुनरोद्धार योजना अन्तर्गत ब्लाक स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मक्का के उत्पादन और अन्न के महत्व एवं उपयोगिता से किसानों को प्रशिक्षित किया गया।अध्यक्षता करते हुए खण्ड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी कहा कि आहार व पोषण विशेषज्ञ मोटे अनाजों की खूबियों से इतने प्रभावित हैं कि इन्हें सुपरफूड्स के रूप में मान्यता दे रहे है। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि मोटे अनाज भरपूर पोषक देते हैं। इसकी उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने अन्य योजना का नाम दिया है। दूसरे अनाजों की तरह ही मोटे अनाज चीला, खीर, खिचड़ी, दलिया, कटलेट, सूप, उपमा, डोसा, इडली, बिस्कुट स्नेक्स, चिक्की आदि रूपो में खाया जा सकता है। श्री अन्न से बने खाद्यान्न एमडीएम में सम्मिलित किए जाने से बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के साथ मीलेट्स पुनरोद्धार को बढ़ावा मिलेगा। इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर) हैदराबाद के अनुसार मोटे अनाज सिलिएक डिजीज के इलाज में लाभ प्रद है। विशेषज्ञ मोटे अनाज को मधुमेह और कैंसर रोकने वाले तत्वों से भरपूर मानते हैं। इस मौके पर एडीओ एजी.धर्मेंद्र कुमार, एडीओ पंचायत, एडीओ आइएसबी, नन्द किशोर,राजकुमार यादव सहित अन्य किसान मौजूद

वरिष्ठ समाजसेवी बने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) ने उत्तर प्रदेश का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। नगर के आजमगढ़ मार्ग निवासी विक्रम सिंह विक्की एडवोकेट को उत्तर प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रशासन प्रभारी एडवोकेट राजीव झा ने की। राजीव झा द्वारा जारी पत्र में विक्रम सिंह को तत्काल प्रभाव से पदभार ग्रहण करने को कहा गया है और उनसे पार्टी को प्रदेश में मजबूत बनाने के लिए पूरे उत्साह, समर्पण और निष्ठा से काम करने की अपेक्षा की है। पत्र में राजीव झा ने कहा कि हमारे नेतृत्वकर्ता शरदचंद्र पवार राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सुप्रिया सुले राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के हाथों को मजबूत करना पार्टी का लक्ष्य है और यह नियुक्ति इस दिशा में कारगर होगी ।बता दें कि अधिवक्ता विक्रम सिंह विक्की शाहगंज के मूल निवासी है। वो लंबे समय तक लखनऊ और शाहगंज में पत्रकारिता करते रहे हैं। उसके बाद वो कई राजनीतिक

पार्टियों से भी जुड़े रहे ।वही कार्यकारी अध्यक्ष बनने की सूचना मिलने पर समर्थकों एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एक दूसरे बधाई दी। और जमकर आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया।

स्कूली बच्चों ने बनाई तिरंगा राखी, निकाली तिरंगा रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम 02 अगस्त से 15 अगस्त 2025 की अवधि में तीन चरणों में हर घर तिरंगा 2025 आयाजित किया जा रहा है। प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त द्वितीय चरण 09 अगस्त से 12 अगस्त तक तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा जिसमें विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है ।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के कुशल निर्देशन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत प्रथम चरण में 4 अगस्त को जनपद के प्रत्येक परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों, बच्चों के द्वारा स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगा से प्रेरित कला से सजाया गया जिसमें सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक बढ चढ़ कर

हिस्सा लिया ।जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में तिरंगा से संबंधित प्रतियोगिताएं और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित किया गया। सभी परिषदीय विद्यालयों में तिरंगा रैली से संबंधित राखी बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बच्चों ने शिक्षकों की मदद से राखियां बनाई और कुछ विद्यालयों द्वारा सैनिकों एवं पुलिस कर्मियों का आभार लिखकर डाक से राखी भी भेजी गई। तिरंगा रैली के दौरान बच्चों ने देश भक्ति गीत गाते हुए भारत माता की जय, वन्दे मातरम, इंकलाब जिन्दाबाद नारे लगाए। उक्त कार्यक्रमों में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने विकास खंडों के विद्यालयों में तिरंगा से संबंधित गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी की गई। विद्यालयों के बच्चों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया और देशभक्ति की भावना से सभी शिक्षक, बच्चे तथा अभिभावक ओत प्रोत रहे। यह हर घर तिरंगा कार्यक्रम का प्रथम चरण अभी 8 अगस्त तक प्रत्येक दिन आयोजित किया जाएगा।

फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी. कॉलेज
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र : 2025-2026
बी.ए. - हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत मध्य. इतिहास, राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
बी.एस.सी.- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान भौतिक विज्ञान, रासायन विज्ञान, गणित
एम.ए.- हिन्दी, उर्दू, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
एम.एस.सी.- प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान
बी. कॉम-
उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास संगीत, गायन, नृत्य, पेंटिंग्स आदि के क्षेत्र में विशेष कौशल/योग्यता है।
खेल कोटा के अंतर्गत उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास विभिन्न खेलों में विषेश कौशल/योग्यता है।
समस्त बोर्ड के विद्यालय/कालेज के टॉपर छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है।
तालीमाबाद, सबरहद, शाहगंज-जौनपुर
प्रबन्धक- नासिर जमाल शेख
प्राचार्य- डा. तबरेज़ आलम
9236926850
9936764005
9795585838

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र- 2025- 2026
सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
बी.ए. हिन्दी, भूगोल
प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र
गृह विज्ञान, समाज शास्त्र, उर्दू
प्रबंधक- सुरेन्द्र प्रताप यादव 9956705411, 8009766617
प्रतापनगर बरंगी पोस्ट मानीकलां, शाहगंज, जौनपुर (उ0प्र0) 222139

नि:शुल्क जाँच शिविर
गुरुवार 14 अगस्त 2025
प्रातः 10 बजे से सायं 03 बजे तक
शुगर की जाँच
HbA1c की जाँच
हड्डी की जाँच (BMD)
नस की जाँच (Neuropathy)
फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
यूरिक एसिड
कोलेस्ट्राल की जाँच
थायराइड की जाँच
डा. शारिक नदीम M.B.B.S., MD फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार M.B.B.S., M.I.M.A जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद B.U.M.S.CCH (Indore) N.D.E.P.C.
Helpline 6307493268
नोबल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आज़मगढ़ रोड, निकट, सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पंचहटियाँ, जौनपुर-222001

मैट्रिक छात्रवृत्ति को लेकर आवेदन शुरू

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू होगया है। छात्र छात्राओं की ओर से ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। ऑनलाइन आवेदन लेने का काम बोर्ड द्वारा अभी जारी है। आवेदन लेने का काम 26 जून से शुरू है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक है। पिछड़ी जाति तथा अत्यंत पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। मैट्रिक छात्रवृत्ति उन छात्रों के लिए है, जो 10वीं कक्षा के बाद पढ़ाई कर रहे हैं। बिहार के स्थायी निवासी छात्र हीं इसका लाभ ले सकते हैं । यह छात्रवृत्ति विशेष रूप से पिछड़े वर्ग (बीसी), अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति , और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए है।

भाजपा में शिवसेना के कई वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल

वसई रोड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यों से प्रेरित होकर, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के पूर्व जिला प्रमुख पंकज देशमुख, पूर्व नगरसेवक व उप जिला प्रमुख किशोर पाटिल, तथा ₹बाविया₹ के पूर्व नगरसेवक नितिन ठाकुर सहित 14 प्रमुख पदाधिकारी और 150 सक्रिय कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। यह समावेश कार्यक्रम भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं डोंबिवली के विधायक रविंद्र चव्हाण की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नालासोपारा विधायक राजन नाइक, विधायक विक्रम पाटिल, भाजपा संगठन महामंत्री श्रीमती माधविताई, वसई विधायक सुश्री स्नेहा दुबे पंडित, भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष सुश्री प्रज्ञा पाटिल, महेंद्र पाटिल, मनोज बारोट, तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। भाजपा में शामिल हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके आगमन से निश्चित रूप से वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में पार्टी की संगठनात्मक शक्ति और जनसंपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

युवा मारवाड़ी सेवा संस्था द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मारवाड़ी युवा सेवा संस्था द्वारा महा भंडारा का आयोजन किया गया । जिसमें तुंगारेश्वर महादेव मंदिर परिसर से दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह आयोजन हर प्रति वर्ष किया जाता है। मारवाड़ी युवा सेवा संस्था के द्वारा किया गया। जिसका शुभारंभ पूर्व सभापति भरत भाई मकवाना, पूर्व नगरसेवक सुनील आचोलकर, समाजसेवी सत्य प्रकाश सिंह, रामलाल कनौजिया, तपन सरकार सहित श्री बापा सीताराम की पूजा अर्चना करके श्री गणेश किया गया। आए हुए अतिथियों का शाल श्रीफल पुष्प को देकर संस्थापक प्रकाश रसग्गनिया, अध्यक्ष बाबूलाल मावलिया, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश कुमावत, महासचिव महेश चेजारा, कोषाध्यक्ष नवरंग कुमार , कमेटी के प्रसार पर मंत्री राजेश कुमार वर्मा मुख्य सलाहकार बाबूलाल गोरिल्ला, सह राजेश जी कुमावत, सेक्रेटरी नंदकिशोर कुमावत कार्यकारिणी सदस्य रमेश सिसवा कैलाश कुमावत , रोहित दास कुमावत, रामनिवास कुमावत, गोपीराम कनोडिया, मूलचंद कनोडिया, विद्याधर गोरिल्ला के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ।

डोमिसाइल नीति बिहार के छात्रों के लिए बहुत बड़ी घोषणा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में

शिक्षक नेता डॉ आनंद ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षक की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए बहुत बड़ी घोषणा की है । डोमिसाइल नीति लागू करके नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है, कि एनडीए ही बिहार की सही रहनुमा है। अब शिक्षक भर्ती में बिहार के युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी, जिससे यहाँ के छात्रों को आगामी आने वाले शिक्षक बहाली तो आरई-4 और टी आरई-5 में लाभ मिलेगा। यह बिहार के विकास के लिए बहुत बड़ी घोषणा है। 2005 से ही शिक्षा के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध हैं तब से ही लाखों शिक्षकों की बहाली की गई है। लाखों छात्रों के बहुप्रतीक्षित माँग को आज मुख्यमंत्री ने पूरा कर दिया है। एनडीए की सरकार लगातार बिहार के विकास के लिए तत्पर हैं चाहे वह शिक्षा की बात हो स्वास्थ्य की बात हो या विधि व्यवस्था की बात हो आज बिहार के युवाओं को उज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है। एनडीए ही बिहार का विकास कर सकती है।

अजीमुशान मजलिस अशरे अरबईन मुफ्ती हाउस का 113 वां दौर 6 अगस्त से शुरू

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर की मशहूर अशरे अरबईन की मजलिस स्थान मुफ्ती हाउस मुफ्ती मोहल्ला में 6 अगस्त से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगी। इस वर्ष इस अशरे का 113 वां दौर है। मजलिस ठीक साढ़े आठ बजे रात्रि में शुरू होगी। जिसको हिन्दुस्तान के मशहूर ओलमा-ए-कराम धर्मगुरु मौलाना गुलाम रसूल नूरी साहब कश्मीरी खिताब/ सम्बोधित करेगें। इस अशरे अरबईन की मजलिस की विशेषता ये है कि ये अपने ठीक समय से शुरू होती है और इसमे जौनपुर के सभी मशहूर सोजखा सोजख्वानी करते हैं, और यहाँ की सभी मशहूर सभी अन्जुमने नौहा पढ़ती व मातम करती है। मजलिस को सुनने के लिए अकीदतमंदों की भारी भीड़ जुटती है। मुफ्ती हाउस के इस अजीमुशान मजलिस अशरे अरबईन, माहे सफर की ग्यारह तारीख से अठ्ठारह सफर तक होती है। जिसकी शुरूआत 1914 में स्वर्गीय मुफ्ती मोहम्मद बाकर ने किया था, और 1934 तक वे इसकी व्यवस्था देखते रहे। 1935 से 1965 तक स्वर्गीय मुफ्ती वेलायत हुसैन। और 1966 से 2006 तक स्वर्गीय मुफ्ती अबुल हसन काजमी। 2007 से 2020 तक स्वर्गीय मुफ्ती वसीउल हसन, और 2021 से अब तक मुफ्ती नजमुल हसन के नेतृत्व में उनके खानदान के लोग व्यवस्था करते हैं। इस अशरे अरबईन की मजलिसो को हिन्दुस्तान व विश्व के कई मशहूर आलमे दीन मौलानाओं ने सम्बोधित किया है।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए भटक रहे हैं लोगपंचायत सचिव कागज पर चला रहे पंचायत सरकार भवन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज, सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपए खर्च कर पंचायत की जनता के लिए पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया गया, ताकि पंचायतों में रहने वाले निवासियों को जाति आवास, निवास, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के किए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना न पड़े। लेकिन इसके विपरीत पंचायतों के सारा काम सिर्फ कागजों में चल रहा हैं। हुआ यह है कि पोखरा गांव के दिलीप कुमार का पुत्र विशाल कुमार अपना जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए चलान समेत सभी आवश्यक कागजातों के साथ आवेदन एक माह पूर्व दिया था। अन्य लोग भी अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए कंप्यूटरीकृत जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के उद्देश्य से पंचायत सरकार भवन पर जाते हैं, लेकिन पंचायत सचिव यह कह कर आश्वाशन देते हैं कि मैं 10 बजे पंचायत सरकार भवन पर आएंगे लेकिन लोग जब पंचायत भवन पोखरा पहुंचते हैं तो पंचायत सचिव द्वारा कहा जाता है कि हम आवश्यक कार्य के लिए महाराजगंज पहुंच गए हैं आप वहां आइए नहीं तो कल मुलाकात होगी। लेकिन यह बात कहना इनकी रोज-रोज की नियति बन गई है।.

कंप्यूटर ऑपरेटर का पंचायत सरकार भवन पर रहते हैं, बिना पंचायत के सचिव को रहते कोई प्रमाण पत्र निर्गत नहीं हो पाएगा। पंचायत सचिव का नंबर ऑपरेटर देते हैं। पंचायत सचिन को फोन मिलाया जाता है लेकिन आश्वासन के शिवाय मुलाकात करना मुश्किल हो जाता है। महाभारत दिलीप कुमार सिंह पोखरा निवासी के पुत्र विशाल कुमार का जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है। जिसके कारण उसको पंचायत भवन व प्रखंड कार्यालय दौड़ लगाना पड़ रहा है। पंचायतीराज मंत्रालय ने पंचायत सरकार भवन पर ग्राम पंचायत के लोगों की सुविधा के लिए आरटीपीएस काउंटर बनाया, ताकि पंचायत की जनता को दूर दराज प्रखंड कार्यालयों में चक्कर लगाने से मुक्ति मिल सकें. लेकिन पंचायत सचिव की लापरवाही से सारा कार्य सिर्फ कागज के भरोसे चल रहा है। . जिससे जनता को आज भी अपना जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। इस बाबत पंचायत सचिन से बात की गई बताया कि आरोप निराधार है निराधार है चुनाव कार्य में व्यवस्था के कारण प्रखंड कार्यालय आना पड़ता है।

नेशनल स्पोर्ट्स में महाराजगंज डीएवी के छात्र-छात्राओं ने जीता स्वर्ण पदक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज, डीएवी पब्लिक स्कूल मोतीहारी में डीएवी नेशनल स्पोर्टस कलस्टर लेबल) 2025-26 मीट' का आयोजन 03 अगस्त को संपन्न हुआ। इस नेशनल स्पोर्टस मीट में उमाशंकर चंपा देती डीएवी पब्लिक स्कूल, महाराजगंज के खेलाड़ियों ने अंडर सेवन्टीन बालिका और अंडर नाइन्टीन बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अंडर 17 बालिका वर्ग में कैप्टन अनन्या यादव, उपकरवान हरिप्रिया मिश्रा साक्षी सिंह, सृष्टि सिंह ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं अंडर नाइन्टीन बालक कबड्डी प्रतियोगिता में कैप्टन मोहन कुमार सिंह, उपकप्तान मंजित कुमार सिंह संजित कुमार, सुशांत कुमार ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरपर्सन ई. सुगेन्द्र कुमार सिंह एवं प्राचार्य डॉ॰ बिजय कुमार सिंह ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित कर उन्हें जोनल स्तर में जीत की बधाई व शुभकामनाएं दीं। मौके पर विद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

किसानों की आय दोगुनी करने की तैयारी, धर्मापुर ब्लाक में खरीफ कृषक गोष्ठी का आयोजन

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड धमार्पुर परिसर में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम एवं त्वरित मक्का विकास योजनान्तर्गत मंगलवार को विकास खण्ड स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित किसानों की आय दोगुनी करने की उन्हें रणनीति बताई गई। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने किसानोन्मुखी योजनाओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, इन्टीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम, कृषि ड्रोन प्रौद्यौगिकी का प्रदर्शन किया गया। इलाके के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से किसानों के बीच उन्नत उत्पादन प्रौद्यौगिकियों जैसे-बीज उपचार, जैव उर्वरकों का प्रयोग करने के बारे में विस्तार से बताया गया। खेतों में उन्नत बुवाई पद्धतियां, प्राकृतिक खेती की जागरुकता के लिये जानकारी उपलब्ध कराई। जिसमें इस प्रणाली से होने वाले लाभ एवं शासन की नीतियों के बारे में कृषक जागरूक हो सकें। कार्यक्रम में कृषकों को आई.एन.एम., आई.पी.एम., संसाधन संरक्षण प्रौद्यौगिकी, उन्नत सिंचाई पद्धतियां, कृषि निवेश व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में किसानों को जागरुक किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त किसानों को फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर अवशेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करायी जायेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रधान संतोष कुमार मौर्य व संचालन सहायक विकास अधिकारी कृषि डा. अमरेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश कुमार सोनकर, उमेश सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डा.धर्मेंद्र सिंह, कृषि वैज्ञानिक डा. दिनेश कुमार, कृषि विभाग से एस. एम. एस. डा0 शिवानन्द मौर्य , जेई पियूष कान्त मौर्य, विशाल यादव , पंकज मौर्य ,अमित मौर्य , ज्ञानेंद्र कुमार ,सुनील कुमार ,मो0 इस्तियाक अहमद ,गुलाब मौर्य, संतोष सिंह , उदयभान सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

पैसे की खातिर मेडिकल स्टोर से बेची जा रही है अधोमानक वाली दवाएं

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में नकली दवा माफियाओं का रैकेट धड़ल्ले से काम कर रहा है। शहर और ग्रामीण अंचल के कुछ चिन्हित मेडिकल स्टोर की दुकानों से अधोमानक वाली दवाओं की बिक्री बेखौफ तरीके की जा रही है।नियमित बिक्री का ना तो कोई रजिस्टर बना है। ना ही दुकानों पर तैनात फार्मासिस्ट मिल रहे हैं।अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व राम अक्षैवर चौहान के निर्देश पर जनपद की दवा माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय की टीम जिले में छापेमारी कर रही है तो ऐसे ही चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।बदलापुर स्थित खुद्रा मेडिकल प्रतिष्ठान ,अमन मेडिकल स्टोर का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान फर्म द्वारा नियमित विक्रय जारी करने हेतु विक्रय अभिलेख नहीं दिखाया गया । प्रतिष्ठान से रजिस्टर फार्मासिस्ट मौके पर अनुपस्थित मिले। इसके बाद एसआर फामेर्सी का औचक निरीक्षण किया गया। यहां पर 10 प्रकार की औषधियों को फॉर्म-35 पर अंकित करते हुए खरीद-बिक्री अभिलेख तलब किये गये हैं। जिला ओषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने निर्देशित किया कि अधिक पैसा कमाने के चक्कर में नकली और अधोमानक दावों की बिक्री कतई ना करें ।नहीं तो दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।इसके बाद बदलापुर स्थित मेडिकल प्रतिष्ठान संचालको के साथ संगोष्ठी करके औषधियों के रख-रखाव एव नशीले दवावों के दुष्प्रभाव/दुरुपयोग तथा भंडारन, नियमित बिक्री चालान जारी करने के लिए शेड्यूल-एच के रजिस्टर और प्रतिष्ठान पर कैमरा लगाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है।

नालासोपारा पूर्व के प्रोफेसर आशिष दुबे को पितृ शोक

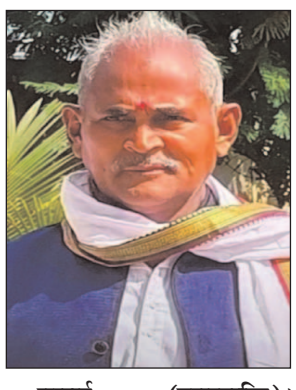

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थित सरस्वती टावर प्रगति नगर निवासी प्रोफेसर आशिष दुबे (विनय दुबे) के पिता श्याम सुंदर बशंराज दुबे का निधन दिनांक 4 अगस्त 2025 दिन सोमवार को परेल स्थित केईएम अस्पताल में सुबह 5 बजे निधन हो गया। वे मूलतः उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर,तहसील मछली शहर, विकास खंड व थाना मीरगंज ग्राम बड़ैया (बसेरवा) के निवासी थे। वे लगभग 6 0 वर्ष के कठीन पड़ाव पार कर चुके थे। श्याम सुंदर बशंराज दुबे एक सरल विचार, मिलनसार समाज में वर्चस्व रखने वाले समाजिक व्यक्ति थे। वह कई सालों से किडीनी बिमारी से ग्रस्त थे। उनके बड़े पुत्र आशिष दुबे ने नालासोपारा श्मशान भूमि पर मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया। तत्पश्चात दिनांक 5 अगस्त 2025 दिन मंगलवार को विमान द्वारा अस्थि कलश लेकर काशी के मनोकार्णिका घाट पर गंगा में प्रवाहित किया। उनके पहुंचने पर गांव बड़ैया क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी उनके घर पर जाकर लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की । श्याम सुंदर दुबे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बड़ा पुत्र आशिष दुबे विनय, छोटा पुत्र आंनद कुमार दुबे, बड़े भाई पंडित राजेन्द्र दुबे, ओंकार दुबे , त्रिभुवन दुबे, रामनिवास दुबे, पुत्र प्रोफेसर आशिष दुबे (विनय दुबे) अंधेरी स्थित भवंश कॉलेज में प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं। दुसरा पुत्र आंनद दुबे (रियल स्टेट नालासोपारा) में अपना खुद का कार्यालय है , परिवार में शिक्षक संतोष दुबे , अमरीश दुबे, सुरज , शिवम दुबे , अवनीश, सौरभ दुबे, प्रभात , प्रतीक दुबे , माधव दुबे , सुनील तिवारी (वकील), अखिलेश तिवारी , जीजा रमाजीत तिवारी समस्त शोकाकुल दुबे परिवार ने दिवंगत श्याम सुंदर दुबे के आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की । उनका त्रयोदशी उनके पैतृक गांव बड़ैया में 16 अगस्त 2025 को किया जाएगा । बता दें कि इनका परिवार अंधेरी और नालासोपारा पूर्व सरस्वती टावर प्रगति नगर में निवास स्थान है ।मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , दैनिक उत्तर शक्ति के सहयोगी जगदीश तिवारी, पत्रकार आनंद कुमार मिश्र, चीफ ब्यूरो एडवोकेट पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल, देवल त्रिपाठी, पत्रकार मुकेश त्रिपाठी ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है ।और कहा कि ईश्वर परिवार वालों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

जौनपुर पुलिस अधीक्षक ने की पत्रकार संग बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन सभागार में पत्रकार बन्धुओं के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों को और मजबूत करना एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आपसी समन्वय स्थापित करना रहा-बैठक में निम्न बिंदुओं पर विशेष चर्चा की गई।1. जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। अपराध नियंत्रण में त्वरित सूचना आदान-प्रदान की आवश्यकता पर बल दिया गया। साइबर अपराध, नशा उन्मूलन, ट्रैफिक नियमों एवं महिला सुरक्षा से संबंधित जन-जागरूकता कार्यक्रमों में मीडिया सहयोग पर चर्चा की गई। बैठक में सभी पत्रकार बन्धुओं ने पुलिस प्रशासन के प्रयासों की सराहना की एवं भविष्य में पारस्परिक सहयोग से कार्य करने का आश्वासन दिया।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

आजमगढ़,रानी की सराय। थाना क्षेत्र के कस्बा बाजार में सोमवार को बाइक की टक्कर से बाजार आई एक महिला की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। जानकारी मुताबिक रानी की सराय थाना क्षेत्र के सेठवल गांव निवासी चंद्रकला गौड़ (48) सोमवार को बाइक बाजार आई थीं। वह पैदल घर लौट रही थीं। वह जैसे ही प्राइवेट क्लीनिक के सामने पहुंची तभी तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक बांटी, शिक्षा को बताया विकास की कुंजी

मुंबई। समाजिक संस्था हिंदी भाषी विकास परिषद की ओर से अंधेरी (पूर्व) के एमआईडीसी स्थित आरसी मारुति हाई स्कूल परिसर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त नोटबुक वितरित की गई।

इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व पीएस फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज के बच्चे ही कल के राष्ट्र निमार्ता हैं। उन्हें शिक्षित करने में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई प्रतिभावान बच्चे केवल आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, ऐसे में समाज को मिलकर इन बच्चों को सहयोग देना चाहिए।

प्रदीप शर्मा ने आगे कहा, शिक्षा वह कुंजी है जिससे विकास के हर दरवाजे खोले जा सकते हैं। बच्चों को पढ़ने-लिखने की सुविधा और संसाधन मिले, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जागरूक नागरिक बनकर देश के विकास में योगदान करते हैं। इस अवसर पर पीएस फाउंडेशन महिला स्वावलंबन समिति की अध्यक्ष स्वीकृति प्रदी शर्मा को समाज सेवा में विशेष योगदान के लिए हिंदी भाषी विकास परिषद की ओर से सम्मानित किया गया। उनका सत्कार परिषद के संस्थापक उमेश उपाध्याय, संस्था के अध्यक्ष एड. संदीप शुक्ला, अंधेरी तालुका अध्यक्ष अशोक दुबे आदि ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी पुष्पा त्रिपाठी, सौरभ उपाध्याय, सेंडी रावत, संदीप चौबे सहित बड़ी संख्या में छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

हिंदीभाषी नागरिकों को मराठी सिखाने की पहल: राकांपा शरद पवार गुट ने चलाया विशेष अभियान

-लालशेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में रहने वाले हिंदीभाषी नागरिकों को मराठी भाषा सिखाने के उद्देश्य से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) द्वारा एक विशेष अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान की पहल पार्टी के हिंदी भाषी विभाग के अध्यक्ष मनीष दुबे ने की है। इस अभियान को लेकर विस्तृत योजना 4 अगस्त 2025 को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बनाई गई, जिसमें इसकी कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण केंद्रों का निर्धारण और विस्तार की संभावनाओं पर विचार किया गया। इसी अवसर पर अभियान का औपचारिक शुभारंभ भी हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ नेता एवं विधायक जयंत पाटिल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जितेंद्र आव्हाड, मिलिंद कांबले, असलम शेख, अभय पांडे, अजय यादव, शैलेन्द्र यादव, जैनुल अंसारी, रंजीत चौधरी, राजेंद्र चंदेल सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में विधायक जयंत पाटिल ने कहा, ह्लमुंबई में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी नागरिक रहते हैं, जिनमें मराठी भाषा सीखने की उत्सुकता है। इस अभियान के माध्यम से उन्हें मराठी भाषा सीखने का एक सशक्त अवसर मिलेगा। मनीष दुबे की यह पहल सराहनीय है और पार्टी इस प्रयास में पूरी तरह सहयोग देगी।

अभियान की शुरूआत फिलहाल बोरिवली और दहिसर इलाकों से की जा रही है। इन क्षेत्रों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर इसे मुंबई के अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किया जाएगा। यह जानकारी मीडिया समन्वयक राजेश शर्मा ने दी। इस पहल को लेकर हिंदी भाषी समाज में भी उत्साह देखा जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह अभियान मराठी-हिंदी भाषिक एकता और सामाजिक समरसता को और मजबूत करेगा। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

72.23 पर अटकी काशी की सांसें, गलियों तक पहुंची गंगा, मंडलायुक्त ने संभाली कमान

-सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास की शिवभक्ति में डूबी काशी इन दिनों गंगा के उफान से विचलित हो उठी है। इस बार गंगा का रौद्र रूप श्रद्धा में भय घोल रहा है। राजघाट स्थित केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, मंगलवार रात 8:00 बजे गंगा का जलस्तर 72.23 मीटर दर्ज किया गया, जो कि खतरे के निशान 71.262 मीटर से लगभग एक मीटर अधिक है। फिलहाल नदी का प्रवाह स्थिर बना हुआ है, यानी जलस्तर में न बढ़ोतरी हो रही है, न गिरावट। बावजूद इसके, हालात पूरी तरह सामान्य नहीं कहे जा सकते। घाटों से लेकर निचले मोहल्लों तक पानी का दबाव लगातार बना हुआ है। ऐसे में अगर बढ़ने का रफ्तार बढ़ा तो काशी को एक बार फिर 1978 की विनाशलीला की यादें सता सकती हैं। जो न केवल चिंता का विषय है, बल्कि 1978 की विनाशकारी बाढ़ की भयावह यादों को भी ताजा करती है, जब गंगा का जलस्तर रिकॉर्ड 73.901 मीटर तक जा पहुंचा था।

गंगा की चढ़ान अभी थमी नहीं है। हर घंटे लगभग 1 सेंटीमीटर की दर से जलस्तर बढ़ रहा है। चेतावनी स्तर 70.262 मीटर को पार करते हुए अब स्थिति नियंत्रण के बाहर जाती प्रतीत हो रही है। मणिकर्णिका, हरिश्चंद्र और दशाश्वमेध जैसे प्रमुख घाटों पर पुलिस और जल पुलिस की सक्रियता तेज कर दी गई है। गंगा आरती का आयोजन भी सीमित स्थान पर किया जा रहा है। घाटों की सीढ़ियां लगभग डूब चुकी हैं, जिससे आमजन का घाटों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। काशी के घाटों पर बचे हुए सीढ़ियां भी पूरी तरह गंगा में समा चुकी हैं, और पंचगंगा, अस्सी, कर्णघंटा, आदिकेशव जैसे घाटों पर जलप्रवाह खतरनाक ढंग से चढ़ चुका है। पहली बार नमो घाट बंद किया गया है। घाट पर बना आकर्षक नमस्ते संरचना अब पूरी तरह से डूबने की कगार पर है इसलिए पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही रोक दी गई है। इससे पहले नमो घाट पर बाढ़ का पानी इतना नहीं आया था। शीतला घाट की सड़क तक पानी आ गया है।

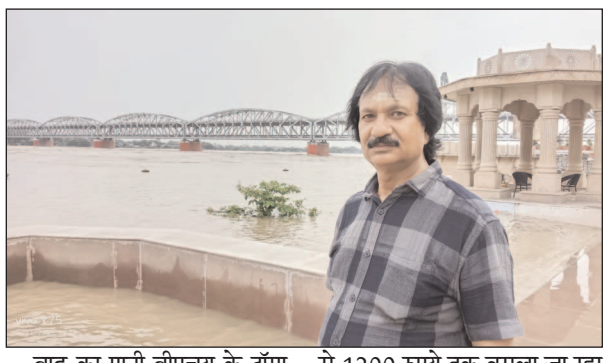

बाढ़ का पानी बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर से महज 800 मीटर दूर है। सामनेघाट की सड़क तक गंगा का पानी पहुंच गया है। वहीं, मणिकर्णिका घाट पर शवों की कतार लगी है। मणिकर्णिका की गलियों में नावें चल रही हैं। नाव से शव ले जाने के लिए शव यात्रियों से 200 से 500 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। शवों की कतार लगी है। अंतिम संस्कार के लिए पांच से छह घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। छत पर ही अंतिम संस्कार कराया जा रहा है। लकड़ी के दाम भी ज्यादा वसूले जा रहे हैं। लकड़ी का रेट प्रति मन 600-700 रुपये से बढ़ाकर 1000 से 1200 रुपये तक वसूला जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर जलस्तर बढ़ने के बाद गलियों में शवदाह किया जा रहा है। शवदाह के लिए लोगों को 2 से 3 घंटे लग रहे हैं। हरिश्चंद्र घाट पर बाढ़ के पहले 20-25 शवों का दाह संस्कार होता था तो अब 5-8 शवों का दाह संस्कार हो रहा है। दशाश्वमेध घाट पर शीतला मंदिर को पूरी तरह से डुबोने के बाद बाढ़ का पानी अब सब्जी मंडी की सड़क तक पहुंच चुका है। राजेंद्र प्रसाद घाट की सभी सीढ़ियां डूब चुकी है।

बता दें, काशी की गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, जीवन की आत्मा है। पर जब यही गंगा उफनती है, तो जीवन को संकट में भी डाल सकती है। प्रशासन, नागरिक समाज और साधारण जनता सभी को मिलकर गंगा की इस चेतावनी को गंभीरता से लेना होगा। धार्मिक उत्सव अपनी जगह हैं, लेकिन जीवन रक्षा सर्वोपरि है। वैसे भी श्रावण में लाखों श्रद्धालु काशी आते हैं - कांवड़िए, शिवभक्त, स्नानार्थी। पर जब गंगा की लहरें सीढ़ियों के ऊपर चढ़ने लगती हैं, तो यह आस्था और आपदा दोनों का संगम बन जाता है। इस बार श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) और पंचक्रोशी यात्रा जैसे आयोजनों के दौरान भी प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ जल सुरक्षा का गंभीर मसला हल करना होगा। गंगा मां जब कल्याणी रूप में होती हैं, तो वह जीवनदायिनी बनती हैं। लेकिन जब वह रौद्र रूप धरती हैं, तो हर घाट, हर गली उनका प्रवाह रोक नहीं पाता। इस समय जनता को चाहिए कि अफवाहों से बचे, सरकारी निदेशों का पालन करें और जरूरत पड़ने पर तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाएं।

मंडलायुक्त एस राजलिंगम द्वारा जिले में आयी बाढ़ का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है, उक्त क्रम में ही मंडलायुक्त द्वारा नमो घाट, सुजाबाद, डोमरी तथा पड़ाव क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा प्रभावितों से संवाद स्थापित करते हुए उनसे मिल रही राहत सामाग्री तथा अन्य सुविधाओं की जानकारियां ली गयीं। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों को सभी सुविधाएं मुहैया कराने को निर्देशित किया। मंडलायुक्त द्वारा प्राथमिक विद्यालय डोमरी पहुंचकर राहत शिविर का निरीक्षण किया गया तथा मिल रही व्यवस्थाओं को देखा गया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेल्प डेस्क पर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली गयी।

गंगा के बढ़ते जलस्तर ने तटीय इलाकों में दहशत बढ़ा दी है। राजघाट, नागवा, आदमपुर, रामनगर, सरैया और मारुति नगर जैसे तटीय इलाकों में लोगों की रातें अब चैन से नहीं कट रहीं। कई घरों में पानी घुसने लगा है। निचले इलाकों में पानी भराव और तटवर्ती बस्तियों में पलायन की स्थिति बन सकती है। हैं। हजारों की आबादी के साथ स्कूलें भी प्रभावित हुई हैं। जिले के करीब 46 स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इससे इससे 11 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं की पढ़ाई ठप हो गई है। अब ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की तैयारी है। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बाढ़ से प्रभावित 46 विद्यालयों में से 21 ग्रामीण और 25 शहरी क्षेत्रों से हैं। ढेलवरियां, सलारपुर और हुकुलगंज के प्राथमिक विद्यालयों में वरुणा नदी के बाढ़ का पानी घुस गया है। 10 विद्यालय ऐसे हैं जिनके क्लास रूम तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। विद्यालयों की कक्षाएं ऑनलाइन चलाई जाएंगी। गंगा के कटाव वाले क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है, और आपदा प्रबंधन दलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। नाविकों को सतर्क कर दिया गया है और श्रावणी भीड़ को घाटों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

सरैया के निवासी रामलाल गुप्ता बताते हैं, 1978 में हमारे दादा जान बचाकर निकले थे। अब वही हालात दिख रहे हैं। रात-भर हम पानी की रेखा दीवार पर चिन्हित करते हैं। राजघाट की रेखा देवी कहती हैं, अब घाट दिखना बंद हो गए हैं। बच्चे डरे हुए हैं और बुजुर्ग कह रहे हैं द्द गंगा माँ फिर नाराज हैं। गंगा का जल स्तर बढ़ने के बाद नगवां नाले से पानी प्रवेश करने के बाद रामेश्वर मठ, भागवत महाविद्यालय से लेकर संगम पुरी कॉलोनी में पानी पहुंचने से लोग परेशान हैं। नगवां नाले से बाढ़ का पानी संकट मोचन मंदिर के पीछे तक पहुंच गया है। इससे लोगों का आना-जाना बंद हो गया है। वहीं, नक्खी घाट क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित ज्यादा इहैं। पीड़ितों का कहना है कि नावें बढ़ाई जाएं। अब भी 150 लोग फंसे हैं। नालों के जरिये गंगा की ओर जाने वाला सीवर अब उल्टा आ रहा है। इसके चलते गोदौलिया में घोड़ा नाला, रोपवे समेत कई निर्माण कार्य फिलहाल रोक दिए गए हैं। वहीं, अपना घर आश्रम में भी पानी चला गया है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से मचा हड़कंप, प्रशासन अलर्ट

बाढ़ से बचाव व राहत के लिए प्रशासन हुआ अलर्ट

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिससे तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। रविवार, सोमवार और मंगलवार की हुई बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़कर 11 फीट तक पहुंच गया है। जो खतरे के निशान से 13 फीट नीचे है। पानी बढ़कर शाहीपुल स्थित गोमतेश्वर नाथ मंदिर तक पहुंच गया है। जिससे चकप्यार अली और बलुआ घाट के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ गया है ।निमार्णाधीन टाई नाले की पुलिया तक पहुंचा पानी केराकत में निमार्णाधीन टाई नाले की

पुलिया तक गोमती का पानी पहुंचने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। रविवार को अस्थाई सड़क पर पानी पहुंचने से केराकत-खुज्जी मार्ग अवरुद्ध हो गया है, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया है ।सरोजबड़ेवर, सरौनी पूरब पट्टी और चकरारेत जोखुआना में बढ़ा खतरा नदी के तटीय इलाके वाले गांव जैसे सरोजबड़ेवर, सरौनी पूरब पट्टी और चकरारेत जोखुआना में पानी पहुंचने से खतरा बढ़ रहा है। लगभग सौ एक-ड़ की फसल जलमग्न हो चुकी है और कुछ गांवों में खेतों तक जाने वाले रास्ते भी बाधित हो गए हैं। जिला प्रशासन ने बाढ़ से बचाव और राहत के लिए पूरी तैयारी कर ली है। नियंत्रण और निगरानी के लिए 58 चौकियां बनाई गई हैं और 42 गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। सभी तहसीलों के एसडीएम को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है और छह तहसीलों में प्रभावित होने वाले 347 गांवों को चिह्नित कर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

भतीजे को बचाने के चक्कर में नहर में डूबा युवक लापता

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बहाउद्दीनपुर गांव के पास जाने वाली नहर में एक व्यक्ति भतीजे को बचाने के चक्कर में खुद नहर में डूब गया और लापता हो गया। परिजनों को जानकारी मिली करीब 5 किलोमीटर तक नहर में खोजबीन की गई कहीं कुछ पता नहीं चला ।बता दें कि बहाऊदीनपुर गांव निवासी 42 वर्षीय संतोष यादव नहर शारदा सहायक खंड 32 नहर के पास ही पशुपालन से दूध का कारोबार करता है। नहर इस समय काफी उफनाई है और वह पुल से न जाकर सीधे नहर पार करने के लिए भतीजे 7 वर्षीय भतीजे आर्यन को कंधे पर बैठकर घर की तरफ पार करने लगा। जैसे वह नहर के किनारे पहुंचा, उसका पैर फिसल गया। इस दौरान वह बच्चे को उठाकर नहर के किनारे पर फेंक दिया और खुद संतुलन खो बैठा और नहर में डूब गया। मामले की सूचना पर गांव वालों परिजन भी मौके पर पहुंच गए लेकिन उसका संतोष का कुछ अता पता नहीं था। लोगों ने खोजबीन के लिए अनुभवी तैराक व गोताखोर को भी बुलाया और करीब नहर में 5 किलोमीटर तक चांदी गहना, दुधौरा तक खोजबीन की लेकिन डूब कर लापता हुआ संतोष नहीं मिला। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर डूबे संतोष की तलाश में जुटी हुई है। घटना से परिजनों में अनहोनी की आशंका बनी हुई है। हालांकि भतीजा ही डूबने की बात को बताया है। बाकी डूबते हुए किसी ने नहीं देखा था। बता दें कि संतोष की मौत से एक लड़के आदर्श 18 वर्ष दो पुत्री आरुषि 7 शिबू 17 वर्ष के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी और परिवार का रो रोकर बुला हाल हो गया है। खबर लिखे जाने तक नहर में डूबे युवक का पता नहीं चल सका है। थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह को संपर्क किया गया लेकिन संपर्क नहीं हुआ।

बुढ़वा मंगल पर हुआ कुश्ती दंगल का भव्य आयोजन, गौराबादशाहपुर क्षेत्र में पहलवानों ने आजमाया दांव पेंच

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर के बनरहियाबाग में बुढ़वा मंगल पर ऐतिहासिक कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न जिलों से आए दर्जनों पहलवानों ने दांव पेंच आजमाए। अधिकांश कुश्ती बराबरी पर ही रही। बनारस के पहलवान अभिषेक ने गाजीपुर के अंश को, गाजीपुर के शहनवाज ने जौनपुर के सागर को, गाजीपुर के अंकित ने जौनपुर के धीरज को, बहरीपुर के विशाल ने धमार्पुर के अरबाज को और पतरही के हरिश्चंद्र ने धमार्पुर के हिमांशु को पराजित किया ।रेफरी सुबाष यादव रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री व जफराबाद विधायक जगदीश नारायण राय ने अखाड़े का पूजन कर और पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती का शुभारंभ कराया। उन्होंने कहा कि खेलकूद में ऐसी प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। यह भी कहा कि हार जीत का कोई मायने नहीं रखता ।जो जीत गया वह जीत गया, जो हार गया उसे आगे चलकर और तैयारी करने की जरूरत है ।पूर्व मंत्री जगदीश नारायण राय ने भरोसा दिया कि पहलवानों और खिलाड़ियों के लिए हमारे स्तर से जितना अधिक हो सकेगा वह किया जाएगा। इसमें धन की कोई समस्या आड़े नहीं आएगी। दंगल कमेटी के साहबलाल यादव मोछू, प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र यादव, विजय प्रताप यादव और अभयराज यादव ने सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर लालजी पहलवान, फौजी अनिल यादव, विजय यादव, पवन यादव, मुकेश यादव, धीरज तिवारी, मोनू बीडीसी, विपिन यादव, धीरज यादव, रामसम्हार यादव, सूबेदार यादव आदि उपस्थित रहे।

डीएम का आदेश को नही मानते उड्डयन स्कूल के संचालक, अवकाश के बाद भी मंगलवार को खुला रहा स्कूल

शाहगंज(जौनपुर) उत्तरशक्ति । जनपद में कुछ स्कूल संचालक अपने औपको ही सरकार शसिन प्रशासन सब समझते हैं। जिनके ऊपर कोई नियम कायदा कानून लागू नही होता है ।ये अपने बनाये कानून और नियम को चलाते है मानते हैं।अब देखिए न शाहगंज नगर के पुराना चौक स्थित एक स्कूल मंगलवार को डीएम के आदेशों की खिल्लियां उड़ाते हुए स्कूल को खोला ।जबकि दो दिनों से लगातार बारिश और खराब मौसम होने के कारण डीएम ने कक्षा एक से कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया था ।मगर यह एकेडमी स्कूल आदेश को मुंह चिढ़ाते हुए आदेश को नकार दिया। सोचने वाली बात यह है की यह पहली बार नही है इसके पूर्व भी 28 जुलाई को बीएसए के आदेश के बाद भी उक्त विद्यालय खुला था। मगर न तब कोई एक्शन लिया सम्बन्धित विभाग ने और न ही अब कोई एक्शन लेता नजर आरहा है शिक्षा विभाग। जिससे इनका मनोबल सातवें आसमान पर चढ़ा हुआ है। सवाल उठता है की कुछ ही दूरी पर स्थित खण्ड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय है और उनको भनक तक नही लगती। अगर मामले की जानकारी है तो कार्यवाई क्यों नही होती। खराब मौसम में छोटे छोटे नौनिहालों को छुट्टी के बाद भी स्कूल बुलाना और अगर ऐसे में नौनिहालों को कुछ होता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। शिक्षा विभाग या फिर स्कूल संचालक। सबसे बड़ा सवाल है। वहीं इस सम्बंध में पूछे जाने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी बसन्त कुमार शुक्ला ने कहा की मीडिया के माध्यम से मामले की जानकारी हुई ।विद्यालय संचालक को स्पष्टीकरण का नोटिस जारी किया जा रहा है।

दुकान पर काम करके अपना रोजी रोटी चलाने वाली महिला की साइकिल चोरी, चोर सीसी टीवी फुटेज में कैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। के जेसीज के पास फास्ट फूड की दुकान पर काम करने वाली महिला की साइकिल उठा ले गया चोर ।महिला का नाम सुनीता यादव है ।इनके आने जाने का साधन साइकिल ही था, जिसको चन्द लालच में आकर चोर ने इनकी साइकिल को अपना शिकार बना लिया ।बात करने पर यह पता चला की महिला किसी भी तरीके से अपना और अपने बच्चों का पालन पोषण करती हैं ।इस विषम परिस्थिति में यह घटना होना मतलब गरीबी में आटा गीला होने वाले मुहावरे को चरितार्थ करता है यदि इस लड़के को कोई पहचानता है तो वह कृपया करके नीचे दिये गये नम्बर पर सूचना दें।

भारत की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरबाइक MATTER AERA पर MATTER ने लॉन्च किया

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी MATTER ने इस त्योहारी मौसम में ग्राहकों के लिए खुशखबरी का ऐलान किया है। कंपनी ने अपनी पहली और भारत की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरबाइक MATTER AERA पर एक खास त्योहारी ऑफर –The LIT Festive Offer' लॉन्च किया है। रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और गणेश चतुर्थी जैसे प्रमुख भारतीय त्योहारों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष ऑफर 1 अगस्त से शुरू हो चुका है और पुणे, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, जयपुर और दिल्ली में सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है। MATTER AERA भारत की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरबाइक है, जो अत्याधुनिक तकनीक, शानदार परफॉर्मेंस और टिकाऊ डिजाइन का बेहतरीन मेल है। इस त्योहारी ऑफर के साथ MATTER का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वच्छ मोबिलिटी की ओर प्रेरित करना है। यह पहल कंपनी की इस प्रतिबद्धता को दशार्ती है कि वह भारत में टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है – साथ ही त्योहारों की खुशियों को और भी खास बना रही है। अब मौका है भविष्य की सवारी का हिस्सा बनने का – इनोवेशन से चलने वाली और आपके जज्बे से प्रेरित।

विश्व हिन्दु परिषद ने हिन्दु लड़कियों के हो रहे अपहरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की

वसई रोड। वसई तालुका से सैकड़ों लड़कियों और महिलाओं का अपहरण हो रहा है। ऐसी शिकायतें बढ़ती जा रही हैं। कुछ धर्म विशेष के लड़के लड़कियों की गरीबी और उनके बढ़ते आकर्षण का फायदा उठाते हैं। स्कूल, कॉलेज, जिम, मोबाइल-टूव्हीलर रिपेयरिंग, नवरात्रि जैसी जगहों पर जहाँ लड़के-लड़कियाँ इकट्ठा होते हैं, लड़कियों से दोस्ती बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। वे लड़कियों को मोटरसाइकिल पर घुमाते हैं, मोबाइल फोन से मैसेज, वीडियो कॉल और अश्लील वीडियो भेजते हैं ताकि लड़कियों को यह एहसास हो सके कि शारीरिक संबंध बनाना कोई पाप नहीं है। फिर लड़कियाँ उन लड़कों की ओर ज्यादा आकर्षित होती हैं, लड़कों के घर जाती हैं, उन्हें अपने घर बुलाती हैं। लड़कों के घर बिरयानी और बीफ खाती हैं और फिर ड्रग्स लेती हैं। अंत में, ये लड़के लड़कियों को किसी लॉज या समुद्र तट पर किसी अनधिकृत रिसॉर्ट में ले जाते हैं। वहाँ, हिंदू लड़की दिन भर उनकी गिरफ़्त में रहती है। उस दौरान, वह न सिर्फ सके शरीर का आनंद लेता है, बल्कि उसे यह भी समझाता है कि मुस्लिम धर्म अच्छा है और हिंदू धर्म बुरा, मोदी, आरएसएस की तानाशाही, पुलिस और सेना उसे कैसे परेशान करती है। और वह लड़की का साहस बढ़ाता है। और फिर बड़े-बड़े वादे करके लड़की का अपहरण कर लेता है। लड़की घर-परिवार छोड़कर भाग जाती है। इस लिए विश्व हिन्दु परिषद ने पुरजोर माँग की है कि अगर कोई धर्म विशेष का लड़का और हिंदू लड़की किसी लॉज में आते हैं, तो लॉज मैनेजर पुलिस को सूचित करे। पुलिस की कार्रवाई से लड़कियों का भागना रुकेगा।

इंद्रनील नाईक महाराष्ट्र राज्य मंत्री से औपचारिक भेंट

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य कार्यालय मुंबई में आज इंद्रनील नाईक (मंत्री उच्च व तंत्र शिक्षण, आदिवासी विकास, महाराष्ट्र राज्य) से सौजन्य भेंट की गई और विभिन्न सामाजिक व जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा की गई। पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। इस भेंट में उपस्थित रहे। सचिन जाधव महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष, सज्जाद अली मुंबई कार्य अध्यक्ष, सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), देवदास मुरंजन शिवसेना (शिंदे गुट), खलील भाई के नेतृत्व में यह मुलाकात संपन्न हुई। सरकार से जनहित के कार्यों में सहयोग की उम्मीद के साथ हम निरंतर जनता की सेवा हेतु प्रतिबद्ध हैं।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र के रास्ते पर चलकर बनाएंगे पीडीए सरकार: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी विचारक एवं दार्शनिक पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री छोटे लोहिया के नाम से प्रसिद्ध पंडित जनेश्वर मिश्र जी की 93 वीं जयंती 11 बजे दिन होटल रिवर व्यू में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने पंडित जनेश्वर मिश्र जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। तत्पश्चात जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन कर उनके संघर्षों, आदर्शों को याद किया गया। अध्यक्षता कर रहे हैं जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कि समाजवादी पार्टी एक जन आंदोलन से निकली हुई पार्टी है। जिसकी नीव डॉ.राम मनोहर लोहिया, जनेश्वर मिश्र (छोटे लोहिया), मुलायम सिंह यादव ने रखी थी। हम उसी राह पर अग्रसर हैं। आगे भी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उसी राह पर जनता के लिए काम करते रहेंगे। जब-जब जनता के साथ अन्याय होगा इसका विरोध होगा ।राकेश मौर्य ने कहा कि हम उनके आदर्शों पर चल कर 2027 में समाजवादी पार्टी की पीडीए सरकार बनाएंगे और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे ।गोष्ठी को पूर्व एमएलसी ललन प्रसाद यादव, पूर्व विधायक एवं जिला अध्यक्ष लाल बहादुर यादव, प्रदेश सचिव सुशील दुबे, राजेश विश्वकर्मा, श्याम बहादुर पाल, राजमुर्ती सरोज,, हीरालाल विश्वकर्मा, डॉ.रामसूरत पटेल, आलोक त्रिपाठी लकी, रमापति यादव पूर्व प्रमुख, वरिष्ठ नेता राजकुमार बिंद, रत्नाकर चौबे, गामा सोनकर, हरिश्चंद्र प्रभाकर, पंकज मिश्र, डॉक्टर शबनम नाज, लाल मोहम्मद राईनी, राहुल राहुल त्रिपाठी सुहैल अंसारी, वीरेंद्र यादव, रजनीश मिश्रा, राजेश यादव, श्यामनारायण बिंद आदि ने संबोधित किया ।गोष्ठी में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले, डॉक्टर सभाजीत यादव एडवोकेट, उमाशंकर पाल, श्रवण जायसवाल, अजय विश्वकर्मा, गुलाब यादव, जीलानी खान, दारा सिंह चौहान सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

जूनियर हाईस्कूल कल्याणपुर का मर्जर खत्म, ग्रामीणों ने मिठाई बांट कर जताई खुशी

बोले बेटियों की शिक्षा में अब नहीं आएगा अड़चन

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिरकोनी ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल कल्याणपुर का मर्जर शासन के आदेश ओर समाप्त होते ही ग्रामीणों की खुशियां देखते बन रही थी । मंगलवार को ग्रामीणों ने मिठाई बांट कर अपनी खुशी का इजहार किया ।कहा बेटियों की शिक्षा ग्रहण करने में अब कोई अड़चन नहीं आएगी । उन्हें अपने ही गांव में बेहतर शिक्षा मिलेगी ।दरअसल शासन के नए निदेर्शानुसार कल्यानपुर जूनियर हाईस्कूल विद्यालय पर बच्चों की नामांकन संख्या 36 होने की वजह से इसे बीबीपुर प्राथमिक विद्यालय से पेयर कर दिया था। वैसे भी इस विद्यालय का भवन जर्जर हो चुका है। जिसके चलते शासन के पेयरिंग वाले आदेश के पहले ही यहां के छात्र छात्राओं को बीबीपुर विद्यालय से अटैच कर दिया गया थ। बाद में शासन के मर्जर के आदेश पर पेयर कर दिया गया था। दूरी को देखें तो कल्यानपुर से बीबीपुर प्राथमिक विद्यालय की दूरी डेढ़ किलो मीटर से ज्यादा थी। ऐसे में गांव की बेटियों के पठन पाठन को लेकर समस्या खड़ी हो गई थी। शासन का नया आदेश जब जारी हुआ तो विरोध प्रदर्शन करने वालों में जिले का सबसे पहला यह गांव था। जहां के सैकड़ो ग्रामीण खुद अपनी बेटियों की शिक्षा को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए आगे आ गए थे। शासन के नए निर्देश पर अमल करते हुए ।सोमवार को जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद की बैठक में पेयर किये गये विद्यालय को संख्या पूरी कर लेने पर अनपेयर करने का निर्देश जारी किया गया। साथ ही निर्देशित किया कि यदि भवन जर्जर है तो स्थानीय ग्राम पंचायत से बातचीत कर समस्या का हल निकाले। मिठाई बांट कर खुशी जताने वाले ग्रामीणों में राम जी चौहान, बबलू चौहान, विजय विश्वकर्मा, महेंद्र मौर्य, राज बहादुर, सुरेंद्र यादव, अजीत चौहान, फूला देवी, अजय कुमार मुख्य रहे।

डीह बाबा मंदिर में बच्चों का चलेगा क्लास

जफराबाद। शासन के नए निर्देश पर अमल करते हुए सिरकोनी विकासखंड के बीईओ अमरेश सिंह ने ग्राम प्रधान रमेश जायसवाल से प्रस्ताव मांगा । उन्होंने डीएम के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि कल्यानपुर से पंचायत भवन पर भवन निमार्ण होने तक बच्चों के पठन पाठन की व्यवस्था करवाये। इस बारे में ग्राम प्रधान रमेश चन्द्र जायसवाल ने कहा कि पंचायत भवन के कमरे छोटे है। एक सार्वजनिक डीह बाबा मंदिर है। जिसमें बड़ा हाल भी है। वहा पर तत्काल बच्चों के पठन पाठन की व्यवस्था कराई जाएगी।

जौनपुर में जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की अधिकारिक यात्रा हुई सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जेसीआई जौनपुर युवा द्वारा अध्यक्ष अवनीश केशरवानी की अध्यक्षता में महिला जिला अस्पताल में शिशु स्तन पान कक्ष का शुभारम्भ किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर, विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा, एवं विशिष्ट अतिथि चिकित्सा अधीक्षक डॉ.महेंद्र गुप्ता व डॉ.आशीष यादव द्वारा फीता काटकर किया गया। तत्पश्चात नगर के एक होटल में जौनपुर एवं शाहगंज के सभी जेसी सदस्यों की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर ने जेसीआई जौनपुर युवा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और बताया कि जेसीआई युवाओं की सबसे बड़ी संस्था है ।जिसमें जुड़ कर हर व्यक्ति अपना व्यक्तित्व विकास कर सकता है और जूनियर जेसी जिसकी उम्र 13 से 18 वर्ष, जेसी सदस्य 18 से 40 वर्ष तथा 40 वर्ष के ऊपर जेसीआई एल्युमिनाई क्लब से जुड़ कर जेसीआई का लाभ ले सकता है। मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा ने युवा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की एवं अपने उद्बोधन में बताया कि अभी तक युवा ने बहुत अच्छा कार्य किया और विश्वास दिखाया कि आने वाले इस कार्यकम में और बेहतर कार्य करेगा। उक्त अवसर पर जेसीआई द्वारा जरूरतमंद बच्चों को पढ़ने के लिए युवा द्वारा इस आधिकारिक यात्रा में सबसे ज्यादा योगदान दिया गया ।जिसमें जेसी शिवेंद्र गुप्ता एवं मंडल निदेशक गौरव सेठ ने सेनेटर एवं अध्यक्ष अवनीश केशरवानी, स्वतंत्र मौर्य, शुभम साहू ने एच जी एफ के रूप में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक सेठ, मंडल उपाध्यक्ष सोनम चतुवेर्दी, राष्टीय समन्वयक अविनाश जायसवाल, संस्थापक अध्यक्ष एवं मंडल अधिकारी आकाश केशरवानी, मंडल अधिकारी मीरा अग्रहरि गुलाम साबिर, विशाल गुप्ता, डॉ.संदीप पाण्डेय सहित सचिव राहुल प्रजापति, कोषाध्यक्ष, मोहित श्रीवास्तव, सर्वेश सिंह, आर्किटेक्ट प्रभात भाटिया, अमन साहू, श्रेयश जायसवाल, जूही वर्मा, रश्मि केशरवानी, शुभम साहू सहित जौनपुर एवं शाहगंज के तमाम जेसी सदस्य उपस्थित रहें । कार्यक्रम का सफल संचालन हर्षित केशरी द्वारा किया गया।